THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
द अनकवर्ड अपडेट
कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779
www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शनिवार 14 नवंबर, 2026 | » वर्ष: 01 » अंक: 20 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आपदा प्रबन्धन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की बैठक

आमजन, किसानों व पशुपालकों को पहुंचाएं राहत- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सूखाग्रस्त क्षेत्रों में राहत के लिए 9 हजार 321 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज

- पेयजल व चारे की करें समुचित व्यवस्था, विभाग आपसी समन्वय से आपदा प्रबंधन के कार्यों को दें गति
- प्रभावित क्षेत्रों में आजीविका संबंधी कार्यों का हो संचालन
- औसत वार्षिक वर्षा कम होने से कुल 15 जिलों की 87 तहसीलें सूखाग्रस्त घोषित

द अनकवर्ड अपडेट





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान में सूखाग्रस्त क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने 9 हजार 321 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की व्यवस्था की है। उन्होंने आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करने के दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं। उन्होंने प्रभावित जिलों में जिला प्रशासन से निरंतर संपर्क बनाए रखने एवं आमजन, किसानों व पशुपालकों के लिए पेयजल, सिंचाई व चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई है, वहां आवश्यकतानुसार चारा डिपो का सुव्यवस्थित संचालन किया जाए। साथ ही, गोशालाओं के माध्यम से भी पशुओं के लिए पेयजल व चारे की समुचित व्यवस्था रखी जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित जिलों में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वीबी-जीराम-जी, राजीविका एवं आवासीय योजनाओं के माध्यम से रोजगार एवं आजीविका संबंधी कार्यों का संचालन किया जाए। उन्होंने प्रभावित जिलों में खरीफ फसल खराबे की गिरदावरी के आधार पर आंकलन रिपोर्ट तैयार करने तथा काश्तकारों को राहत पहुंचाने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश प्रदान किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कंटीजेन्सी प्लान के आधार पर पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। वहीं, विद्युत विभाग द्वारा नलकूप के विद्युत कनेक्शन प्राथमिकता से जारी किए जाएं। उन्होंने आवश्यकतानुसार पेयजल परिवहन की समुचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में मानसून सत्र में औसत वार्षिक वर्षा लगभग 20 प्रतिशत कम होने के कारण कुल 15 जिलों की 87 तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है। इन तहसीलों में से 73 तहसील गंभीर सूखाग्रस्त श्रेणी एवं 14 तहसील मध्यम सूखाग्रस्त श्रेणी में शामिल हैं। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा) भास्कर ए. सावंत सहित जन स्वास्थ्य एवं अभियान्त्रिकी, राजस्व, पशुपालन, गौ-पालन, कृषि एवं उद्यानिकी, सहकारिता, वित्त, ई.जी.एस. व जल संसाधन विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

राजीविका और डेयरी को लेकर बैठक

राजीविका महिलाओं को उत्पाद बनाने से लेकर मार्केटिंग और ब्रांडिंग के मिले अवसर- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दिसंबर में जयपुर में आयोजित होगा राजीविका का राष्ट्रीय सरस मेला, देशभर की स्वयं सहायता समूह महिलाओं को मिलेगा मंच

- मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय मेले में प्रदेशभर से अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश, स्थानीय उत्पाद भी होंगे शामिल
- राजीविका एवं डेयरी सेक्टर महिला सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम
- राजीविका उत्पादों की बिक्री के लिए विकसित हो रहा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। आगामी दिसंबर माह में जयपुर में राजीविका के राष्ट्रीय सरस मेले का आयोजन होने जा रहा है, जिसके माध्यम से देशभर की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस आयोजन में प्रदेश की समृद्ध कला से संबंधित स्थानीय उत्पादों को शामिल करने एवं प्रदेश की राजीविका महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बैठकें आयोजित कर महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजीविका एवं डेयरी विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि ये सेक्टर ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक समृद्धि के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें उत्पाद निर्माण के साथ मार्केटिंग, ब्रांडिंग एवं बिक्री के अवसर भी उपलब्ध करवाए जाएं।

राजीविका उत्पादों के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफार्म

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 25 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसके तहत अब तक 20 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों को आजीविका के बेहतर अवसरों के साथ उनके उत्पादों की बिक्री के लिए बाजार उपलब्ध करवाना जरूरी है। ऐसे में राज्य सरकार महिलाओं के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध करवाने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है। इससे उनके उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी और आय के नए अवसर सृजित होंगे।

सरस सखियों को संभाग स्तर पर मिलेगा प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री ने सरस सखी योजना को ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक समृद्धि की दिशा में अभिनव पहल बताया। उन्होंने कहा कि राजीविका एवं डेयरी विभाग संयुक्त कार्ययोजना को प्रभावी रूप से लागू करते हुए उत्पादों को एकीकृत विपणन नेटवर्क से जोड़े। साथ ही, उन्होंने सरस सखियों को संभाग स्तर पर प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए।



बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

काजीरंगा में ट्रक में घुसा ट्रैवलर, 26 लोगों की मौत

नगांव जा रही थी गाड़ी, इसमें सवार थे ज्यादातर छात्र

● गुवाहाटी / आरएनएन



सम के काजीरंगा में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया। रोंगाजन इलाके में यात्रियों से भरी टेम्पो-ट्रैवलर की सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भयावह थी कि ट्रैवलर के परखच्चे उड़ गये। हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई है। वाहन में ज्यादातर यात्रियों के छात्र होने की बात सामने आ रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, ट्रैवलर बोकाखात से नगांव की ओर जा रही थी। इसी दौरान रोंगाजन के पास सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई. बताया जा रहा है कि वाहन में बड़ी संख्या में यात्री सवार थे। इनमें ज्यादातर छात्र शामिल थे।

ट्रैवलर के 12 चालान का रिकॉर्ड आया सामने

हादसे का शिकार हुई ट्रैवलर गाड़ी के ट्रैफिक चालान की जानकारी भी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गाड़ी के 12 चालान कट चुके थे। इन सभी का कुल 38,500 रुपये जुर्माना भरा जा चुका था। हालांकि, 4,000 रुपये का एक चालान अब भी बकाया है। दरअसल, असम में कमर्शियल गाड़ी के ओवरस्पीडिंग करने पर 4,000 रुपये का जुर्माना लगता है। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, मिनी बस काफी तेज रफ्तार से चल रही थी। आशंका जताई गई है कि तेज रफ्तार के कारण ट्रैवलर का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा।

पीएम करा रहे मेरा फोन टैप, मोबाइल में है सबूत

राहुल गांधी ने लगाया बड़ा आरोप, बोले- आमने-सामने बहस करें प्रधानमंत्री मोदी

● नई दिल्ली



लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फोन टैपिंग कराने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि उनके फोन में ऐसे कई सबूत और जानकारियां मौजूद हैं, जिन्हें सार्वजनिक बहस के दौरान सामने रखा जा सकता है।

राहुल ने एक बार फिर पीएम मोदी को आमने-सामने बैठकर बहस करने की चुनौती दी और यहां तक कह दिया कि अगर दोनों के बीच सीधी बहस हो गई तो मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। कांग्रेस नेता ने यह बातें शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर आयोजित आस्क मी सेशन के दौरान कहीं।

अडानी या भागवत को बना सकते हैं जज

राहुल गांधी ने बहस के लिए अपनी शर्तें बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ बैठें और वह दूसरी तरफ। दोनों के बीच सीधे सवाल-जवाब हों। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर उद्योगपति गौतम अडानी या आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को इस बहस का जज बनाया जाता है, तब भी उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। राहुल ने दावा किया कि ऐसी बहस के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद पर नहीं रहेंगे।

मणिपुर में फिर बड़ा हमला, चार की गई जान

इम्फाल, आरएनएन। मणिपुर के इम्फाल-उखरुल मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना न्यू हेवन के पास हुई।

पीड़ित दो गाड़ियों (मारुति स्विफ्ट और बोलेरो) में इम्फाल की ओर जा रहे थे। तभी घात लगाकर

मौके पर ही तीन की मौत, 2 लोग गंभीर

बैठे हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान शांगशाक गांव के सगे भाई-बहन कापांगखुई आरएस और हाओलेला आरएस, तथा ताशार गांव के अगस्त नगालुंग के रूप में हुई है। इस घटना में एक मां-बेटे और भाई-बहन की जोड़ी शामिल थी, जिससे इलाके में मातम और तनाव का माहौल है। घटना के बाद राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस ने घटना पर दुख जताते हुए केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

आधी आबादी को पूरा हक दिलाने सरकार संकल्पित

मुख्यमंत्री ने पिछोर से प्रदेश की 1.24 करोड़ बहनों के खातों में ट्रांसफर किए 1831 करोड़ रुपए

सीएम बोले- परिसीमन आयोग की अनुशंसा पर बनेगा पिछोर जिला

● भोपाल



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र लाड़ली बहनों के खातों में 1831 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सिंगल क्लिक से ट्रांसफर की।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश की सभी बहनों को आत्मनिर्भर, आर्थिक रूप से समृद्ध बनाकर इनके जीवन में खुशहाली लाने के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। सरकार प्रदेश की आधी आबादी को पूरा हक दिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाड़ली बहना योजना इसी संकल्प की दिशा में हमारा प्रयास है।

सीएम ने की घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने पिछोर में सांदीपनि विद्यालय बनाने, सर्वसुविधायुक्त स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण करने, खनियांधाना के रेडी चौराहा में पुलिस चौकी स्थापित करने, बामोरकलां में महाविद्यालय खोलने सहित कासना नाले पर एक पुल का निर्माण करने की भी घोषणा की।

फिल्म 'रामायण' की कमाई हजार करोड़ के पार

नई दिल्ली, आरएनएन। रणबीर कपूर की फिल्म रामायण बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के महज 8 दिनों में दुनियाभर में 1,033.55 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। भारत में फिल्म की कमाई 675.05 करोड़ रुपये पहुंच गई है, जबकि विदेशों में भी इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। खास बात यह है कि फिल्म का हिंदी वर्जन सबसे आगे चल रहा है।

रामायण ने भारत में 8वें दिन 53.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। हालांकि, सातवें दिन के 70.65 करोड़ रुपये के मुकाबले इसकी कमाई में करीब 24.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 564.60 करोड़ रुपये हो चुका है। वहीं, भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 675.05 करोड़ रुपये है।

साइलेंट जहर जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर लोग, बिना किसी लक्षण के भी फेफड़ों की क्षमता हो सकती है कम

उम्र 30 की, फेफड़े 50 साल के, समय से पहले बूढ़े हो रहे लंग्स

● नई दिल्ली

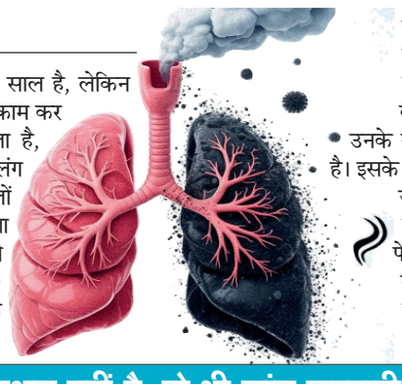

सोचिए, किसी व्यक्ति की उम्र महज 30 साल है, लेकिन उसके फेफड़े 50 साल के व्यक्ति जितना ही काम कर पा रहे हैं। सुनने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन यह हकीकत है। देश के जाने-माने लंग ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अरविंद कुमार ऐसे मरीजों को देख चुके हैं, जिनके फेफड़ों की क्षमता उनकी उम्र के हिसाब से काफी कम हो चुकी है। इन मरीजों के शरीर की उम्र भले ही 30 साल है लेकिन फेफड़ों की सेहत 50 साल के व्यक्ति जैसी हो गई।

डॉक्टर इसके पीछे बढ़ते वायु प्रदूषण को एक बड़ी वजह मानते हैं। दिल्ली सहित देश के कई शहरों में रहने वाले लोगों के लिए यह चिंता और गंभीर है, क्योंकि यहां हर साल लोग लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। प्रदूषण चुपचाप हमारे फेफड़ों को उम्र से पहले बूढ़ा कर रहा है। इससे बिना किसी लक्षण के भी फेफड़ों की क्षमता कम हो सकती है। डॉ. अरविंद कुमार बताते हैं कि फेफड़ों की उम्र का अंदाजा उनके काम करने की क्षमता से लगाया जाता है। इसके लिए पल्मोनरी फंक्शन और स्पाइरोमेट्री जैसे टेस्ट किए जाते हैं। टेस्ट में पता चला है कि कई लोगों में कम उम्र में ही फेफड़ों की क्षमता काफी घट गई है। ये दर्शाता है कि लोगों के फेफड़े समय से पहले बूढ़े हो रहे हैं।

कोई लक्षण नहीं है, तो भी जांच करवानी चाहिए

यह जरूरी नहीं है कि फेफड़ों को नुकसान होने पर हर व्यक्ति को तुरंत इसके लक्षण महसूस हों. डॉ. अरविंद के मुताबिक, जिन इलाकों में प्रदूषण का स्तर ज्यादा रहता है, वहां बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को भी अपने फेफड़ों की सेहत को लेकर सतर्क रहना चाहिए। खासकर जिन लोगों को लगातार खांसी रहती है या जिनकी धूम्रपान की हिस्ट्री है, उन्हें फेफड़ों की जांच करानी चाहिए। युवाओं में फेफड़ों की क्षमता का पता लगाने के लिए पीईटी और स्पाइरोमेट्री जैसे टेस्ट किए जा सकते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में भी जरूरत के हिसाब से फिनो और ऑडियोमेट्री टेस्ट किए जा सकते हैं। फेफड़ों को साफ करने का कोई जादुई तरीका नहीं है। न कोई खास डाइट, न इनहेल करने का कोई तरीका और न ही कुछ देर ऑक्सीजन लेने से फेफड़ों में जमा प्रदूषण बाहर निकाला जा सकता है।

कैसे होता है प्रदूषण बढ़ने से फेफड़ों को नुकसान

प्रदूषण लंग्स को काफी नुकसान करता है। प्रदूषित हवा में मौजूद छोटे- छोटे कण सांस के जरिए लंग्स में जाते हैं और वहां पर गंभीर असर करते हैं। प्रदूषित हवा में मौजूद बारीक कण सांस की नलियों में सूजन और जलन पैदा कर सकते हैं, इससे खांसी, गले में परेशानी और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। प्रदूषण का संपर्क कम होने पर इन लक्षणों में सुधार भी हो सकता है, लेकिन लंबे समय तक प्रदूषण झेलने से फेफड़ों की क्षमता पर असर हो सकता है। इससे लोगों में अस्थमा से लेकर सोओपीडी जैसी बीमारियां होने का भी रिस्क होता है। चिंता की बात यह है कि प्रदूषण से होने वाला नुकसान कई मामलों में परमानेंट हो सकता है। प्रदूषण को लेकर एक आम धारणा है कि सर्दियां खत्म होते ही खतरा भी खत्म हो जाता है। लेकिन ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। प्रदूषण से होने वाला नुकसान हमेशा एक जैसा नहीं होता, कुछ असर अस्थायी होते हैं, जबकि कुछ मामलों में फेफड़ों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है। लंबे समय तक प्रदूषण झेलने से फेफड़ों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। कुछ मामलों में डैमेज परमानेंट हो सकता है।

किताब के बाद गूगल पर छाईं सोनिया गांधी

गूगल खोज, विकिपीडिया पेज व्यू और एक्स पोस्ट तेजी से बढ़े

● नई दिल्ली / आरएनएन

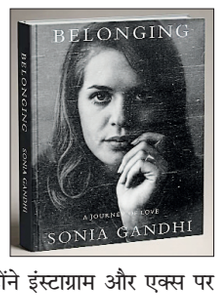

कांग्रेस की सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने भी किताब के रिलीज होने से कुछ हफ्ते पहले सोशल मीडिया पर कदम रखा। 10 नवंबर को किताब रिलीज होने से पहले उन्होंने इंस्टाग्राम और एक्स पर अपना अकाउंट बनाया।

इससे पहले वह इन प्लेटफॉर्म से दूर रही थीं। एक विश्लेषण में विकिपीडिया पेज व्यूज, गूगल ट्रेंड्स और एक्स के आंकड़ों से पता चलता है कि किताब रिलीज होने के बाद सोनिया गांधी को लेकर ऑनलाइन चर्चा तेजी से बढ़ी। पिछले हफ्ते के मुकाबले गूगल पर सोनिया गांधी को सर्च करने वालों की संख्या में 750 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

जयपुर अपडेट

गुलाबी शहर की हर खबर

| Digital Edition | RJHIN/25/A4779

शनिवार, 14 नवंबर, 2026

प्रशिक्षण स्थल से मतदान दल को बिना सूचना नदारद हुए सहायक मतदान अधिकारी निलंबित, 18 अन्य कार्मिकों को नोटिस

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत होगा मुकदमा दर्ज

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के अंतर्गत जिले की चार पंचायत समितियों (जमवारामगढ़, आंधी, बस्सी एवं तूंगा) में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न करवाने के लिए शुक्रवार को प्रशिक्षण स्थल श्री भवानी निकेतन के फार्मेसी कॉलेज परिसर से संबंधित पंचायत मुख्यालयों पर स्थित मतदान केंद्रों के लिए मतदान दल रवाना किए गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) जयपुर संदेश नायक ने बताया कि पंचायत समिति आंधी के मतदान दल में सहायक मतदान अधिकारी-प्रथम के पद पर नियुक्त एक कार्मिक हस्ताक्षर करने के बाद मतदान दल के टेंट से बिना किसी सूचना के फोन बंद कर नदारद हो गया। टेंट में नियुक्त अधिकारियों द्वारा माइक पर बार-बार आवाज लगाने के बावजूद उक्त कार्मिक उपस्थित नहीं हुआ। इस पर संबंधित कार्मिक को राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 13 के तहत निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय कार्यालय संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी, जयपुर संभाग, जयपुर निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही अनुपस्थित 18 अन्य कार्मिकों को लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 एवं राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 17 के तहत नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन जैसे राजकीय महत्व के कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों की सूची तैयार की जा रही है। ऐसे कार्मिकों के विरुद्ध शीघ्र ही अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 134 (1क) के तहत कार्रवाई करते हुए मुकदमा भी दर्ज करवाया जा सकता है।

पंचायतीराज चुनाव के दौरान 14 एवं 16 नवंबर को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में रहेगा सार्वजनिक अवकाश

मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश देना अनिवार्य, अवहेलना पर होगी कार्रवाई

औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के कार्मिकों को भी मिलेगा सवैतनिक अवकाश

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य तथा पंच-सरपंच पदों के निर्वाचन के लिए निर्धारित मतदान तिथियों पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण के तहत जयपुर जिले की चार पंचायत समितियों बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए शनिवार, 14 नवंबर को तथा पंच-सरपंच पदों के लिए सोमवार, 16 नवंबर को मतदान होगा।

उन्होंने बताया कि मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित समस्त सरकारी एवं अर्द्धसरकारी कार्यालयों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। साथ ही परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 25 के अंतर्गत भी मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा, ताकि इन क्षेत्रों के मतदाता अपने6 मताधिकार का उपयोग कर सकें। पुनर्मतदान की स्थिति में भी जिन मतदान क्षेत्रों में पुनर्मतदान होगा, वहां पुनर्मतदान की तिथि को सार्वजनिक अवकाश रहेगा।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत सभी कार्मिकों, जिनमें आकस्मिक कामगार भी सम्मिलित हैं, को सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाएगा, ताकि वे अपने मताधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से उपयोग कर सकें।

उन्होंने बताया कि ऐसे कार्मिक, जो संबंधित पंचायतीराज निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं, लेकिन अपने निर्वाचन क्षेत्र से अलग किसी अन्य स्थान पर कार्यरत हैं, उन्हें भी नियमानुसार मतदान तिथियों का सवैतनिक अवकाश देय होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि कोई नियोजक इन प्रावधानों की अवहेलना करते हुए मतदान के दिन कर्मचारी को मताधिकार का उपयोग करने हेतु अवकाश नहीं देता है, तो दण्डात्मक कार्रवाई के लिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को तथ्यात्मक विवरण देते हुए अवगत कराया जा सकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं नियोजकों से आदेशों की पालना सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

जयपुर में 'एनपीएस संचय आउटरीच कार्यक्रम' का सफल आयोजन

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण तथा राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति , राजस्थान के मार्गदर्शन में अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय जयपुर, भारतीय स्टेट बैंक के तत्वावधान में शुक्रवार को जयपुर स्थित निजी होटल में 'एनपीएस संचय आउटरीच कार्यक्रम' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । इस विशेष जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण के अधिकारी शुभम खंडेलवाल, डॉ ऋतिविक भावसर, अंजिक्या जी, आशीष पँवार तथा नाबार्ड से जयपुर के जिला विकास अधिकारी, किशोर मेहरा, भारतीय स्टेट बैंक से सहायक महाप्रबंधक प्रचुर गुप्ता, कमलेश कुमार बैरवा एवं महेश शर्मा उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन अग्रणी जिला प्रबंधक श्री राजेश आर. जैन द्वारा किया गया ।शुभम खंडेलवाल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों, किसान उत्पादक संगठनों के सदस्यों, ग्रामीण उद्यमियों तथा कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से जुड़े अन्य हितधारकों को 'एनपीएस संचय' योजना के लाभों के प्रति जागरूक करना और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए पेंशन योजना से जोड़ना था । सत्र के दौरान अतिथियों और विशेषज्ञों ने योजना की विशेषताओं, निवेश के विकल्पों और वृद्धावस्था में वित्तीय सुरक्षा के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों, ग्रामीण उद्यमियों, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों और सीएसपी संचालकों की उत्साहवर्धक भागीदारी उल्लेखनीय रही साथ ही कार्यक्रम स्थल पर ही इच्छुक प्रतिभागियों का ऑन-द-स्पॉट नामांकन (पंजीकरण) भी सुनिश्चित किया गया, रुडसेट केनरा बैंक विध्याधर नगर से निदेशक श्री नरेंद्र जी एवं प्रशिक्षार्थी (छात्र/छात्रा) ने भाग लिया, एनपीएस संचय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रश्नोतरी के दौरान स्मृति चिन्ह भेंट किए गए, अग्रणी जिला प्रबन्धक कार्यालय के गणेश कुमार एवं राहुल गुप्ता ने कार्यक्रम में पधारे हुए सभी किसानों/विभिन्न बैंकों के अधिकारी, जिला बैंक समन्वयक और आरोह फ़ाउंडेशन की सीएफ़एल टीम, एफ़एलसी, बीसी/सीएसपी एवं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया ।

पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण के मतदान के लिए मतदान दल रवाना

श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी परिसर से चार पंचायत समितियों के 446 मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुए मतदान दल

14 नवंबर को जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य तथा 16 नवंबर को सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए होगा मतदान

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुरर। पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण के तहत जयपुर जिले की चार पंचायत समितियों एवं जिला परिषद के वार्डों में 14 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए शुक्रवार को श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी परिसर से मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण के उपरांत ईवीएम एवं निर्वाचन संबंधी आवश्यक सामग्री के साथ निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुए। मतदान दलों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निर्वाचन सामग्री उपलब्ध कराई गई। मतदान दलों की रवानगी के लिए वाहन पार्किंग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने मतदान दलों एवं मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, शौचालय, स्वच्छता, विद्युत की निर्बाध आपूर्ति एवं सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि चतुर्थ चरण के तहत जयपुर जिले की चार पंचायत समितियों बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी के मतदान दल निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार रवाना हुए। पंचायत समिति क्षेत्र बस्सी के 145, तूंगा के 74, जमवारामगढ़ के 129 तथा आंधी के 98 मतदान केंद्रों के लिए मतदान दल रवाना किए गए। इस प्रकार चतुर्थ चरण में कुल 446 मतदान केंद्रों के लिए मतदान दल अपने निर्धारित गंतव्य स्थलों की ओर रवाना हुए।

उन्होंने बताया कि चतुर्थ चरण में पंचायत समिति बस्सी की 42, तूंगा की 24, जमवारामगढ़ की 42 तथा आंधी की 32 ग्राम पंचायतों में मतदान कराया जाएगा। इस प्रकार चारों पंचायत समितियों की कुल 140 ग्राम पंचायतों में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होगी।

चतुर्थ चरण के तहत जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए शनिवार, 14 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद रविवार, 15 नवंबर को ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। सोमवार, 16 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। मतदान के पश्चात संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी तथा मंगलवार, 17 नवंबर को उपसरपंच पद के लिए चुनाव आयोजित किया जाएगा। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए सभी चरणों की मतगणना शुक्रवार, 20 नवंबर को की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान प्रक्रिया के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा मतदान के उपरांत ईवीएम को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुरक्षित रूप से संग्रहण स्थल तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं।

डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए जयपुर प्रथम के चिकित्सा संस्थानों एवं सरकारी कार्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान, प्रत्येक रविवार मनाएं 'ड्राई डे' : सीएमएचओ डॉ. रवि शेखावत



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जयपुर प्रथम जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के तहत चिकित्सा संस्थानों के परिसर, छतों एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई। साथ ही कूलर, पानी की टंकियों, गमलों एवं अन्य स्थानों पर जमा पानी को खाली करवाकर मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को समाप्त किया गया।

इस दौरान सभी सरकारी कार्यालयों एवं चिकित्सा संस्थानों में प्रत्येक शुक्रवार को विशेष स्वच्छता गतिविधियां आयोजित करने तथा प्रत्येक रविवार को 'ड्राई डे' मनाकर पानी जमा होने वाले सभी स्रोतों को समाप्त करने की अपील की गई, ताकि मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि डेंगू एवं मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए साफ-सफाई और पानी का ठहराव रोकना बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि प्रत्येक शुक्रवार को अपने कार्यालय परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाएं तथा प्रत्येक रविवार को घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में 'ड्राई डे' मनाकर पानी जमा होने वाले स्थानों की सफाई सुनिश्चित करें।

डॉ. शेखावत ने बताया कि डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ एवं ठहरे हुए पानी में पनपता है। कूलर, पानी की टंकियां, गमलों, फ्रिज की ट्रे, पुराने टायर, टूटे बर्तनों एवं अन्य अनुपयोगी वस्तुओं में जमा पानी मच्छरों के प्रजनन का प्रमुख स्रोत बन सकता है। इसलिए इन स्थानों की नियमित सफाई और सप्ताह में कम से कम एक दिन पानी पूरी तरह खाली कर उन्हें सुखाना आवश्यक है।

उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) जयपुर प्रथम डॉ. मनु शेखावत ने कहा कि 'हर शुक्रवार स्वच्छता अभियान और हर रविवार ड्राई डे' की गतिविधियों को जनभागीदारी के साथ जन आंदोलन का रूप देना होगा। उन्होंने सभी चिकित्सा संस्थानों, सरकारी कार्यालयों एवं आमजन से स्वच्छता को अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. विनोद शर्मा ने बताया कि मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना डेंगू एवं मलेरिया से बचाव का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। नियमित साफ-सफाई, पानी का ठहराव रोकने और ड्राई डे की आदत अपनाकर मच्छर जनित बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग की अपीलः* सभी सरकारी कार्यालयों एवं चिकित्सा संस्थानों में प्रत्येक शुक्रवार विशेष स्वच्छता गतिविधियां आयोजित करें तथा आमजन प्रत्येक रविवार को अपने घर, छत, आंगन, कूलर, गमलों एवं पानी की टंकियों की सफाई कर पानी जमा न होने दें। सामूहिक प्रयासों से ही डेंगू-मलेरिया मुक्त जयपुर प्रथम का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

हर शुक्रवार स्वच्छता, हर रविवार ड्राई डे - मच्छरों पर वार,

झालावाड़ सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार के महाप्रबंधक (अतिरिक्त कार्यभार), निरीक्षक मस्तराम मीणा 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी झालावाड़ द्वारा आज कार्यवाही करते हुए श्री मस्तराम मीणा, निरीक्षक, सहकारी समितियां, झालावाड़, हाल अतिरिक्त कार्यभार महाप्रबंधक, झालावाड़ सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार लिमिटेड, झालावाड़ को परिवादी से 15,000 रुपये की रिश्वत राशि प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस श्री गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी झालावाड़ पर दिनांक 12.11.2026 को परिवादी द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में बताया गया कि उसकी फर्म गुरुकृपा मेडीकोज, झालरापाटन द्वारा झालावाड़ सहकारी उपभोक्ता भण्डार में दवाईयों की सप्लाई की गई थी, जिसके लगभग 15.32 लाख रुपये बकाया थे। उक्त बकाया भुगतान में से 9.19 लाख रुपये के चैक पर हस्ताक्षर करने की एवज में महाप्रबंधक का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे आरोपी श्री मस्तराम मीणा द्वारा रिश्वत राशि की मांग की जा रही थी।

उक्त शिकायत पर दिनांक 12.11.2026 को रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा परिवादी से बकाया भुगतान की राशि के 10 प्रतिशत के हिसाब से रिश्वत राशि की मांग करना सत्यापित हुआ। बातचीत के दौरान आरोपी द्वारा 5.00 लाख रुपये के चैक पर हस्ताक्षर करने के साथ ही शेष 4.19 लाख रुपये का चैक एक-दो दिन में जारी करने का आश्वासन दिया गया। आरोपी द्वारा रिश्वत राशि की मांग के अनुरूप परिवादी से 25,000 रुपये अगले दिन देने तथा शेष राशि चैक पास होने के बाद देने पर सहमति व्यक्त की गई। रिश्वत मांग सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा 5.00 लाख रुपये के चैक पर हस्ताक्षर कर संबंधित बैंक के नाम पत्र सहित परिवादी को सौंप दिया गया।

आज दिनांक 13.11.2026 को परिवादी द्वारा 15,000 रुपये की रिश्वत राशि की व्यवस्था किए जाने पर एसीबी द्वारा ट्रैप कार्यवाही आयोजित की गई। एसीबी कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस श्री ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन में एसीबी चौकी झालावाड़ के पुलिस निरीक्षक श्री साजिद खान के नेतृत्व में टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपी श्री मस्तराम मीणा को परिवादी से 15,000 रुपये की रिश्वत राशि प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस श्रीमती एस. परिमाला के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ एवं अग्रिम कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

यदि किसी व्यक्ति के विरूद्ध एसीबी में प्रकरण दर्ज होने की जानकारी मिले तो प्रकरण की वस्तुस्थिति एवं उपलब्ध तथ्यों की जानकारी हेतु एसीबी की निर्धारित प्रक्रिया अनुसार औपचारिक रूप से सीधे सम्पर्क कर अपना पक्ष / स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर सकता है। एसीबी द्वारा दोषसिद्ध होने से पूर्व तथ्यों एवं प्रस्तुत स्पष्टीकरण का परीक्षण कर नियमानुसार ही अग्रिम कार्यवाही की जाती है। एसीबी के नाम पर किसी के भय या दबाव में आकर धोखाधड़ी का शिकार ना बनें।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक श्री गोविन्द गुप्ता ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हैल्पलाईन नम्बर 1064 एवं WhatsApp हैल्पलाईन नम्बर 94135-02834 पर 24म7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी।



मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग की बैठक ली, ऊर्जा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि, राजस्थान ने अन्य राज्यों को लगभग 2 हजार करोड़ की बिजली बेची

विद्युत उत्पादन एवं आपूर्ति के लिए ऊर्जा विभाग मिशन मोड पर करे काम:मुख्यमंत्री

जयपुर (नि.सं.)। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 34 माह से अधिक के कार्यकाल में बिजली उत्पादन और आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाया है। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और उद्योगों को पर्याप्त विद्युत सप्लाई जारी रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। राज्य सरकार के प्रयासों से अन्य प्रदेशों को लगभग 2 हजार करोड़ की बिजली विक्रय की गई है। मुख्यमंत्री ऊर्जा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने रबी सीजन में किसानों को दिन में दी जाने वाली बिजली आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाल ही में खैरथल-तिजारा में भी दिन में किसानों को यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। जिससे प्रदेश में अब कुल 28 जिलों के किसानों को दिन में बिजली मिल रही है तथा 13 लाख 56 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने राज्य में बैटरी ऊर्जा भण्डारण प्रणाली के क्रियान्वयन को गति प्रदान करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।



बिजली के घाटे में आई कमी: उल्लेखनीय है कि बिजली में 31 मार्च 2023 को कुल घाटा 92,069 करोड़ रुपये था, जो 31 दिसंबर 2023 तक बढ़कर 98,634 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में घाटे में 6,565 की वृद्धि दर्ज की गई, जो 9 माह में 7.13 प्रतिशत रही। इसी आधार पर वार्षिक वृद्धि दर अनुमानित 9.50 प्रतिशत रहने से वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह घाटा 1 लाख 21 हजार 73 करोड़ रुपये पहुंच जाता। ऊर्जा विभाग ने इस घाटे को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह घाटा 89,907.77 करोड़ रुपये ही रहा। ऊर्जा विभाग द्वारा वित्तीय अनुशासन के जरिए ऊर्जा क्षमताओं में निरंतर वृद्धि की जा रही है।

विद्युत छीजत घटकर 12.84 प्रतिशत हुई: मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विद्युत छीजत में और अधिक कमी लाने के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। वित्तीय वर्ष 2019-20 के तीनों डिस्कॉम्स में कुल विद्युत छीजत 19.43 प्रतिशत थी, जो कि सुधारात्मक कदमों से वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 12.84 प्रतिशत रह गई है। वहीं, जोधपुर डिस्कॉम्स में वित्तीय वर्ष 2019-20 विद्युत छीजत लगभग 38 प्रतिशत थी, जो कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 18.64 प्रतिशत हो गई है।

कुसुम योजना से 3 लाख 89 हजार से अधिक किसान लाभान्वित

मुख्यमंत्री ने पीएम कुसुम योजना के घटक ए व सी के और अधिक प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक घटक ए में 1,779 से अधिक मेगावाट एवं घटक सी में 3,758 से अधिक मेगावाट क्षमता स्थापित की है।

न्यूज इन बॉक्स



राजस्थान संपर्क 181 की समीक्षा में वाणिज्यिक कर आयुक्त ने वीडियो कॉल पर परिवादियों की समस्याएं सुनीं

संबंधित अधिकारियों को परिवादों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश, विभाग के करीब 92 प्रतिशत परिवाद निस्तारित

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जन शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण को प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में वाणिज्यिक कर आयुक्त आनंदी ने शुक्रवार को राजस्थान संपर्क 181 पर दर्ज विभागीय परिवादों की समीक्षा की। उन्होंने वीडियो कॉल पर परिवादियों की समस्याएं सुनीं। भीलवाड़ा के विशाल सिंह ने शिकायत की कि इंदौर से भीलवाड़ा तक नियमित रूप से बिना बिल माल लाया जा रहा है। उन्होंने मामले में विभागीय कार्रवाई की मांग की। बाड़मेर से दर्ज परिवाद में निर्मल ने बताया कि भूजल जांच के लिए उनसे 20 हजार रुपये नकद लिए गए थे। उनके अनुसार, रसीद पर जिस जीएसटी पंजीकरण का उल्लेख था, वह पहले ही रद्द हो चुका था। उन्होंने राशि वापस दिलाने की मांग की। इसी प्रकार जोधपुर के विनोद चौहान ने बताया कि उन्होंने रसोई के लिए पत्थर की स्लैब खरीदी और उसका भुगतान ऑनलाइन किया।



गुजरात राज्यपाल बोले- रासायनिक खेती से बच्चों को हार्ट अटैक-कैंसर

अजमेर में कहा- पंजाब के बाद हरियाणा में हर गांव नशे की चपेट में हो रहा बर्बाद

अजमेर। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा- युवाओं में तेजी से फैलती नशे की लत, खानपान में बढ़ते रसायनों का असर और सोशल मीडिया के बदलते दौर में वैचारिक पिछड़ापन ये समाज के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। पंजाब के बाद हरियाणा और दूसरे राज्यों में भी नशे का जहर फैल रहा है। गांव के गांव इसकी चपेट में आकर बर्बाद हो रहे हैं। वहीं रासायनिक खेती के कारण कम उम्र में हार्ट अटैक और बच्चों में कैंसर जैसी बीमारियां सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए समाज को जागरूक होने के साथ समय के अनुसार खुद को बदलना होगा। यह बात गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अजमेर के ऋषि उद्यान में तीन दिवसीय ऋषि मेले के उद्घाटन समारोह में शुक्रवार को कही।





वित्त (राजस्व) विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

राजस्व अर्जन के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभाग प्रभावी कार्ययोजना बनाकर करें कार्यवाही : मुख्य सचिव

विभागीय राजस्व प्राप्तियों की नियमित समीक्षा कर राजस्व वृद्धि के नए स्त्रोतों की पहचान करने के निर्देश

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में वित्त (राजस्व) विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 में अक्टूबर माह तक राज्य की राजस्व प्राप्तियों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति को और सुदृढ़ बनाने के लिए सभी विभाग राजस्व अर्जन के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करें। प्रत्येक विभाग नियमित समीक्षा करे तथा राजस्व के नए स्त्रोतों की पहचान कर



अतिरिक्त राजस्व अर्जन की कार्ययोजना तैयार करे। राजस्व संग्रहण में कमी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर विशेष निगरानी की जाए। उन्होंने राजस्व रिसाव की रोकथाम, कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण तथा बकाया राजस्व वसूली को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा एनालिटिक्स का अधिकाधिक उपयोग कर संग्रहण प्रक्रिया को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने तथा विभागों के बीच डेटा साझा करने एवं समन्वय मजबूत करने पर बल दिया। बैठक में बताया गया कि अक्टूबर 2026 तक राज्य को कुल 81,606 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो गत वर्ष की समान अवधि के 72,734 करोड़ रुपये से 12.20 प्रतिशत अधिक है। निर्धारित आनुपातिक लक्ष्य 1,08,442 करोड़ रुपये के विरुद्ध 75.25 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की गई है।

शातिर बदमाश गिरफ्तार

किशनगढ़ में ज्वैलरी व्यापारी से धोखाधड़ी कर 1.80 करोड़ के सोने के आभूषण ले उड़े शातिर बदमाश गिरफ्तार



अजमेर/किशनगढ़(वि.सं.)। किशनगढ़ में ज्वैलरी खरीदने के बहाने व्यापारी को धोखा देकर करीब 1510 ग्राम सोने के आभूषण लेकर फरार हुए तीन शातिर आरोपियों को मदनगंज थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1 करोड़ 80 लाख रुपये कीमत के सोने के विभिन्न आभूषण तथा 1 लाख 32 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस टीम ने तकनीकी अनुसंधान और 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर लगातार पीछा करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक अजमेर हर्षवर्धन अगरवाला के निर्देशानुसार संपत्ति संबंधी अपराधों, लूट, चोरी और नकबजनी के मामलों में फरार बदमाशों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. लाल चंद कायल तथा वृत्ताधिकारी किशनगढ़ शहर धर्मराज चौधरी के निर्देशन में थानाधिकारी मदनगंज भवानी सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की।



कोटा में जेकेलोन हॉस्पिटल के टेक्नीशियन ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा-13 दिन तक लगातार ड्यूटी लगाई; नौकरी खराब करने की धमकी देते थे

कोटा (वि.सं.)। कोटा के जेके लोन हॉस्पिटल में कार्यरत श्रेष्ठ टेक्नीशियन सतीश कुमार चांदसी ने घर पर फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुबह पत्नी पूजा ने पीहर से फोन किया तो सतीश कुमार ने उठाया नहीं। इस पर पत्नी ने पड़ोस में रहने वाली अपनी बड़ी बहन को फोन किया और घर जाकर देखने के लिए कहा। बड़ी बहन घर पहुंची तो गेट खुले थे। उसने अंदर जाकर देखा तो सतीश कुमार फंदे से लटका मिला। परिजन उसे फंदे से उतारकर एमबीएस हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर जेके लोन हॉस्पिटल गए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। परिजनों को कमरे से सुसाइड नोट मिला।

45 वाँ भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में राजस्थान मण्डप नए रूप-रंग के साथ शुरू

जयपुर(नि.सं.)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में शुक्रवार को शुरू हुए पन्द्रह दिवसीय 45 वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस वर्ष की थीम ''विकास और विरासत'' के अनुरूप राजस्थान मंडप नए रूप-रंग के साथ प्रारंभ हुआ। राजस्थान मंडप के निदेशक श्री हर्ष शर्मा ने बताया कि राजस्थान मंडप इस बार अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के राजस्थान सहभागी राज्यों में शामिल है। लगभग 1000 स्क्वॉयर मीटर में फैले राजस्थान मंडप में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से व्यापार मेले में राजीविका से जुड़े उद्यमियों द्वारा लगभग 45 स्टालों का प्रदर्शन किया गया है। जिसमें राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प उत्पादों को विशेष रूप से देश-विदेश में धूम मचाने वाली राजस्थानी हस्तशिल्प वस्तुओं में लाख की चूड़ियां, महिलाओं के श्रृंगार के विविध आईटम्स, जयपुरी रजाईयां, टैक्सटाईल्स का सामान, चद्दरे और मोजड़ियों के उत्पादों के स्टॉल शामिल है। उन्होंने बताया कि भारत मंडपम के हॉल नंबर 3 के (भूतल) पर स्थित राजस्थान मंडप में 18 नवम्बर, 2026 को जयपुर शहर के 300वें स्थापना दिवस को बड़े चित्र पैनल से प्रदर्शित किया गया है।

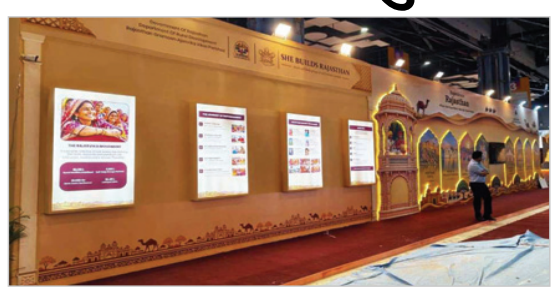

इसके अतिरिक्त राजस्थान में निवेश और व्यावसायिक अवसरों से संबंधित जानकारी देने के लिए बिजनेस इन्फॉर्मेशन सेंटर बनाया गया है। राजस्थान की भागीदारी का उद्देश्य राज्य के कारीगरों, उद्यमों और निवेश अवसरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों से जोड़ना है। श्री शर्मा ने बताया कि मंडप के बाहरी क्षेत्र में राजस्थान पर्यटन द्वारा एक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया है जिसमें प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को प्रदर्शित किया गया है। मंडप के मध्य स्थल पर रीको द्वारा भी एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है जिसमें प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का विवरण प्रदर्शित किया है।



जयपुर में महिला से लूटपाट करने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर की भांकरोटा थाना पुलिस ने महिला के साथ लूट की वारदात का 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वारदात में इस्तेमाल ऑटो भी जब्त किया है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे ष्टष्टङ्क कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 11 नवंबर को परिवादी जुगल किशोर ने भांकरोटा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि उनकी बहन छोटी देवी अपने पति के साथ डीसीएम अजमेर रोड स्थित सीएमपीसी अस्पताल के पास से ऑटो में बैठकर घर जा रही थी। रास्ते में ऑटो चालक और उसकी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान आरोपियों ने महिला को रास्ते में उतार दिया। इस दौरान महिला के गले में पहनी सोने की चेन गायब हो गई।

अधिकारियों की बैठक

कोटा संभाग में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं एवं रेफरल व्यवस्था की होगी समीक्षा

जयपुर(नि.सं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कोटा में प्रसूता श्रीमती प्रीति महावर की मृत्यु के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर पूरे मामले की जानकारी ली। बैठक में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। खींवसर ने कहा कि प्रसूता की मृत्यु की घटना अत्यंत दुखद है। राज्य सरकार मातृ मृत्यु की प्रत्येक



घटना को गंभीरता से लेती है। प्रसव के बाद महिला की स्थिति गंभीर रूप से बिगड़ गई थी। जांच में लिवर फंक्शन में अत्यधिक खराबी सामने आई तथा आगे चलकर फुलमिनेंट हेपेटिक फेल्योर एवं मल्टी ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम की स्थिति विकसित हुई। महिला को विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उपचार दिया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। हेपेटाइटिस-ए एवं हेपेटाइटिस-ई की जांच रिपोर्ट अभी प्रतीक्षित है। उन्होंने पूरे प्रकरण के चिकित्सकीय पहलुओं की विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कार्यवाहक निदेशक आरसीएच डॉ. रोमेल सिंह को कोटा संभाग भेजकर संभाग में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं एवं रेफरल व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम **जयपुर जिले की एकीकृत मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशित**

जिले में 45 लाख 33 हजार 470 मतदाता

- **झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 4 लाख 21 हजार 209 मतदाता पंजीकृत**
- **11 दिसंबर तक नाम जुड़वाने, संशोधन एवं आपत्ति संबंधी दावे प्रस्तुत कर सकेंगे पात्र नागरिक**
- **मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट एवं ECINET ऐप पर भी उपलब्ध**

जयपुर(नि.सं.)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जयपुर जिले की एकीकृत मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन किया गया। प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार जयपुर जिले में कुल 45 लाख 33 हजार 470 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 23 लाख 50 हजार 709 पुरुष, 21 लाख 82 हजार 680 महिला एवं 81 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्हें विधानसभा स्तर पर प्रारूप मतदाता सूची की एक-एक प्रति हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराने के संबंध में अवगत कराया गया। प्रारूप मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की वेबसाइट http://election.rajasthan.gov.in पर भी ऑनलाइन उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्रवार प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार शाहपुरा में 2 लाख 39 हजार 448, चौमूं में 2 लाख 58 हजार 323, फुलेरा में 2 लाख 66 हजार 605, दूदू में 2 लाख 55 हजार 187, झोटवाड़ा में 4 लाख 21 हजार 209, आमेर में 2 लाख 95 हजार 856, जमवारामगढ़ में 2 लाख 31 हजार 651, हवामहल में 2 लाख 46 हजार 317, विद्याधर नगर में 3 लाख 25 हजार 379, सिविल लाइंस में 2 लाख 8 हजार 912, किशनपोल में 1 लाख

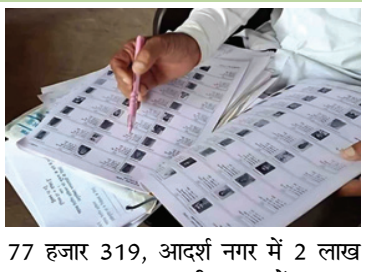

77 हजार 319, आदर्श नगर में 2 लाख 41 हजार 188, मालवीय नगर में 1 लाख 98 हजार 321, सांगानेर में 3 लाख 34 हजार 389, बगरू में 3 लाख 52 हजार 999, बस्सी में 2 लाख 42 हजार 655 तथा चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 37 हजार 712 मतदाता पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करवाने, किसी नाम पर आपत्ति दर्ज करवाने अथवा वर्तमान प्रविष्टियों में संशोधन करवाने के लिए 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकती हैं।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

खस्ताहाल पाकिस्तान की बढ़ी मुश्किलें

तमाम चुनौतियों से जूझ रहे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। पिछले कुछ महीनों से गुलाम जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सुरक्षा बलों की गोलाबारी में 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग विधानसभा में शरणार्थी सीटों को खत्म करने की है। पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान इन सीटों का इस्तेमाल मुजफ्फराबाद की स्थानीय सरकार में अपने पिट्ठुओं को बिठाने के लिए करता आया है। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध करते हुए जोइंट अवामी एक्शन कमेटी यानी जेएएसी का गठन किया, लेकिन पाकिस्तानी सत्ता ने उसे आतंकी संगठन घोषित कर उस पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके विरोध में जेएएसी ने 12वीं विधानसभा के चुनावों का बहिष्कार किया। ऐसे माहौल में हुए चुनावों की कोई वैधता नहीं। जैसी उम्मीद थी, इन चुनावों में सत्तारूढ़ दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल-एन) की जीत हुई। गुलाम जम्मू-कश्मीर के साथ ही इमरान खान की लगातार हिरासत को लेकर खैबर-पख्तूनख्वा में भी विरोध प्रदर्शन जारी हैं। इन विरोध-प्रदर्शनों का जवाब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने यह कहकर दिया कि मीरपुर और रावलकोट जैसे इलाकों के लोग कश्मीरी ही नहीं हैं। ध्यान रहे इसके पहले पाकिस्तान कश्मीर पर अपने दुष्प्रचार के लिए लंदन में बसे मीरपुरवासियों का इस्तेमाल करता आया है, लेकिन जैसे ही इन इलाकों के स्थानीय लोगों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग उठाई तो उनकी कश्मीरी पहचान पर ही सवाल खड़े कर दिए गए। रक्षा मंत्री ने उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन तक बताकर उनकी तुलना भारत से की। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की कुल 53 सीटें हैं। इनमें स्थानीय लोगों के लिए 33 सीटें, 12 शरणार्थी सीटें और महिलाओं, टेक्नोक्रेट्स, मौलवियों तथा विदेश में रहने वाले यहां के लोगों के लिए आठ आरक्षित सीटें हैं। शरणार्थी सीटों से आशय उन सीटों से है, जो कश्मीर घाटी और जम्मू संभाग से आए। अजीब बात यह है कि ये शरणार्थी यहां के निवासी न होकर पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में रहते हैं। विधानसभा चुनाव में इनकी सहभागिता से स्थानीय निवासियों और अन्य हिस्सों के लोगों के बीच का अंतर खत्म हो जाता है। शरणार्थी सीटों में मतदाताओं की संख्या बहुत कम है और वे बड़े क्षेत्र में बिखरे हुए हैं। इससे पाकिस्तानी सरकार के लिए चुनाव परिणामों में हेरफेर करना आसान हो जाता है और हर चुनाव में अधिकांश सीटों पर उसी दल की ही जीत होती है, जिसे पाकिस्तानी शासक जिताना चाहते हैं। ये चुनाव क्षेत्र कितने छोटे हैं, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हाल के चुनावों में एलए-43 निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 1,839 ही थी, जबकि अधिकतम मतदाताओं वाली एलए 45 सीट पर 4,271 ही मतदाता थे। इन सीटों की बदौलत पाकिस्तान सरकार को इस प्रांत की विधानसभा में 25 प्रतिशत की एकमुश्त वोटिंग मिल जाती है, जो सत्ता की चाबी अपने पास रखने में मददगार बनती है।प्रांतीय सरकार ने शरणार्थी सीटों को खत्म करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट से सलाह मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शरणार्थी सीटें प्रांतीय संविधान द्वारा ही तय की गई हैं और उन्हें संविधान में परिवर्तन के बिना समाप्त नहीं किया जा सकता। संविधान संशोधन में न पाकिस्तान को, न ही प्रांत की कठपुतली सरकार को कोई रुचि है। जो सरकार शरणार्थी सीटों के बल पर ही अस्तित्व में आई हो, वह भला इन सीटों को क्यों खत्म करेगी? इन चुनावों में पीएमएल-एन ने 31 सीटें जीतकर 53 सीटों के सदन में बहुमत हासिल किया। इनमें से 11 सीटें शरणार्थी सीटें हैं। उनके बिना उसका बहुमत ही खत्म हो जाएगा। अब गुलाम जम्मू-कश्मीर की क्षेत्रीय दलों की कोई हैसियत नहीं बची, जबकि दशकों तक क्षेत्रीय दल ही यहां की सत्ता पर काबिज रहे। पाकिस्तान के एक और अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा की बात करें तो राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने पिछले दिनों एक आदेश जारी कर खैबर पख्तूनख्वा में इमरजेंसी और गवर्नर रूल घोषित कर दिया। इस आदेश में कहा गया कि प्रांतीय सरकार संविधान के अनुसार शासन चलाने में असमर्थ है और वहां बढ़ती हुई आतंकी गतिविधियों से न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे पाकिस्तान को खतरा है। इस प्रांत में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) सत्ता में है और वह उनकी रिहाई के लिए अभियान छेड़े हुए है। देखना यह है कि राष्ट्रपति के फैसले से वहां इमरान खान के पक्ष में मुहिम कमजोर पड़ती है या उनके प्रति समर्थन और बढ़ता है? इस प्रांत की सीमा अफगानिस्तान से लगती है।

> **खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के साथ गुलाम जम्मू-कश्मीर से लेकर खैबर पख्तूनख्वा तक में अपने ही लोगों का असंतोष झेल रहे पाकिस्तान की बुनियाद कमजोर हो रही है।**

अपनत्व से सत्ता के शिखर तक, सोनिया की अनकही जीवन यात्रा



इटली में जन्मी सोनिया गांधी का भारत आना केवल एक देश से दूसरे देश की यात्रा नहीं, बल्कि रिश्तों, जिम्मेदारियों और सार्वजनिक जीवन में पहचान बनाने का सफर रहा है। पति राजीव गांधी और सास इंदिरा गांधी की हत्या की निजी त्रासदी से गुजरने के बाद कांग्रेस का नेतृत्व संभालना और 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करना उनके जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। उनका संस्मरण निजी भावनाओं और भारतीय राजनीति के कई निर्णायक प्रसंगों को नए संदर्भ में देखने का अवसर देता है।

किसी राजनीतिक व्यक्तित्व को समझने के लिए उसके पद, फैसलों और राजनीतिक उपलब्धियों को जानना पर्याप्त नहीं होता। उसके निजी जीवन के अनुभव, संघर्ष और परिस्थितियां भी उसके सार्वजनिक व्यक्तित्व को आकार देते हैं। सोनिया गांधी की पुस्तक बिलॉन्गिंग = अ जर्नी ऑफ लव इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह केवल एक विदेशी मूल की महिला के भारतीय राजनीति में शीर्ष स्थान तक पहुंचने की कहानी नहीं, बल्कि अपनत्व, पारिवारिक त्रासदी, राजनीतिक जिम्मेदारी और सत्ता के प्रति उनके दृष्टिकोण का संस्मरण है।

इटली में जन्मी सोनिया गांधी विवाह के बाद भारत आईं और एक ऐसे परिवार का हिस्सा बनीं, जिसका देश की राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान था। समय के साथ उनका जीवन भारतीय समाज, संस्कृति और राजनीति से गहराई से जुड़ता गया। हालांकि उनकी विदेशी जन्मभूमि राजनीतिक बहस का विषय भी बनी रही। ऐसे में पुस्तक का शीर्षक अपनत्व केवल निजी भावना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पहचान और सामाजिक स्वीकार्यता से जुड़े व्यापक सवाल भी उठाता है। सोनिया गांधी के जीवन का सबसे पीड़ादायक अध्याय इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं से जुड़ा है। उन्होंने अपनी सास और पति को राजनीतिक हिंसा में खोया। ये घटनाएं केवल एक परिवार की निजी त्रासदी नहीं थीं, बल्कि देश के राजनीतिक इतिहास के निर्णायक मोड़ भी थीं। राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी के सामने परिवार की सुरक्षा, बच्चों के भविष्य और स्वयं की सार्वजनिक भूमिका को लेकर अनेक चुनौतियां थीं। ऐसी परिस्थितियों में राजनीति से दूरी बनाए रखना भी एक स्वाभाविक विकल्प हो सकता था। लेकिन बाद में उन्होंने कांग्रेस का नेतृत्व संभाला और सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका स्थापित की। इन घटनाओं को समझना उनके राजनीतिक जीवन की पृष्ठभूमि को जानने के लिए जरूरी है। हालांकि निजी त्रासदियां किसी भी राजनीतिक निर्णय का स्वत: औचित्य नहीं बन सकतीं, लेकिन वे व्यक्ति के अनुभवों और परिस्थितियों को समझने का महत्वपूर्ण आधार जरूर प्रदान करती हैं।

2004 का फैसला और सत्ता से दूरी: सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन का सबसे चर्चित प्रसंग वर्ष 2004 का है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को सफलता मिलने के बाद उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावनाएं प्रबल थीं। लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और मनमोहन सिंह को सरकार का नेतृत्व सौंपने का निर्णय लिया। भारतीय राजनीति में यह एक असाधारण घटनाक्रम था। सर्वोच्च राजनीतिक पद उपलब्ध होने के बावजूद उससे पीछे हटने के उनके फैसले को व्यक्तिगत संयम, राजनीतिक परिस्थितियों के आकलन और रणनीतिक विवेक जैसे विभिन्न पहलुओं से देखा जाता है। हालांकि प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने का अर्थ राजनीति से दूरी बनाना नहीं था। सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की प्रमुख नेता के रूप में प्रभावशाली भूमिका निभाती रहीं। इस तरह उनका निर्णय सत्ता के संवैधानिक पद और राजनीतिक प्रभाव के बीच अंतर को भी सामने लाता है।

परिवार, वंशवाद और राजनीतिक विरासत: सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष राहुल गांधी की भूमिका से जुड़ा है। गांधी परिवार पर वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने के आरोप लगते रहे हैं। इस संदर्भ में सोनिया गांधी द्वारा 2004 में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के लिए आगे नहीं करना चर्चा का विषय रहा है। हालांकि इस एक फैसले से वंशवाद की बहस समाप्त नहीं होती। कांग्रेस संगठन में गांधी परिवार की भूमिका और नेतृत्व से जुड़े सवाल अपनी जगह बने हुए हैं। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि उस समय सोनिया गांधी ने स्वयं प्रधानमंत्री पद ग्रहण नहीं किया और मनमोहन सिंह को आगे किया। इस निर्णय को राजनीतिक विरासत के व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है।

कांग्रेस नेतृत्व का दौर और उसकी चुनौतियां: कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी का कार्यकाल भारतीय राजनीति में गठबंधन सरकारों के महत्वपूर्ण दौर से जुड़ा रहा। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन को एक साथ रखना और अलग-अलग विचारधाराओं वाले दलों के बीच सहमति बनाना आसान नहीं था। इस दौर में सूचना का अधिकार, ग्रामीण रोजगार गारंटी और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानून अस्तित्व में आए। इन पहलों ने नागरिक अधिकारों और कल्याणकारी नीतियों को नई दिशा दी। दूसरी ओर, भ्रष्टाचार के आरोप, गठबंधन के भीतर मतभेद, नीतिगत चुनौतियां और 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की पराजय भी इसी राजनीतिक दौर का हिस्सा हैं। इसलिए सोनिया गांधी के नेतृत्व का आकलन करते समय उपलब्धियों और सीमाओं दोनों को सामने रखना जरूरी है। सरकार के प्रत्येक फैसले का श्रेय या उसकी प्रत्येक विफलता की जिम्मेदारी किसी एक व्यक्ति पर डालना उचित नहीं होगा। लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष और गठबंधन की प्रमुख नेता के रूप में उनकी भूमिका का मूल्यांकन भी स्वाभाविक है।

संस्मरण और इतिहास के बीच अंतर: किसी भी संस्मरण की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि वह घटनाओं के पीछे छिपे व्यक्तिगत अनुभवों और भावनाओं को सामने लाता है। लेकिन संस्मरण लेखक की अपनी स्मृतियों और दृष्टिकोण पर आधारित होता है। इसलिए उसमें दर्ज प्रत्येक प्रसंग को अंतिम ऐतिहासिक निष्कर्ष मानना उचित नहीं है।

बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव को भी इसी दृष्टि से पढ़ने की जरूरत है। इसमें प्रस्तुत अनुभवों और राजनीतिक प्रसंगों का मूल्यांकन दूसरे ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा समकालीन विवरणों के साथ किया जाना चाहिए। आपातकाल जैसे विवादास्पद अध्यायों को भी इसी निष्पक्षता के साथ देखना होगा। उस दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध, प्रेस सेंसरशिप और राजनीतिक विरोधियों की गिरफ्तारियां भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के महत्वपूर्ण तथ्य हैं।

सोनिया गांधी का संस्मरण इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह उनके जीवन के निजी और सार्वजनिक पक्षों को एक साथ समझने का अवसर देता है। भारत में अपनत्व की तलाश, परिवार पर आई त्रासदियां, प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने का फैसला और कांग्रेस का नेतृत्व उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग आयाम सामने लाते हैं। उनके राजनीतिक जीवन में उपलब्धियां भी हैं और विवाद भी। इसलिए इस पुस्तक को न तो प्रशस्ति के रूप में देखना चाहिए और न राजनीतिक पूर्वाग्रह के आधार पर खारिज करना चाहिए। इसकी वास्तविक उपयोगिता इसी में है कि यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जीवन को लेखिका की अपनी नजर से देखने का अवसर देती है। अंतत: सोनिया गांधी की यात्रा केवल सत्ता और राजनीति की कहानी नहीं, बल्कि निजी शोक, सामाजिक पहचान, पारिवारिक जिम्मेदारी और सार्वजनिक जीवन के बीच संतुलन बनाने के प्रयासों का दस्तावेज भी है।



आतंक ने फिर सिर उठाया

कश्मीर के कुलगाम जिले में सीआरपीएफ के एक नाके पर आतंकी हमला इस आवश्यकता को फिर से रेखांकित कर रहा है कि जम्मू-कश्मीर में अभी आतंकवाद की कमर पर और चोट करना शेष है। चिंताजनक केवल यह नहीं कि सीआरपीएफ नाके पर हुए हमले में तीन जवान घायल हो गए, बल्कि यह भी है कि घात लगाकर गोलीबारी करने के बाद आतंकी भागने में सफल रहे। बहुत संभव है कि देर-सबेर उन्हें ढेर कर दिया जाए, लेकिन इस पर तो ध्यान दिया ही जाना चाहिए कि उन्हें स्थानीय स्तर पर किसी ने शरण दी होगी।

हालांकि जम्मू-कश्मीर में आतंक अंतिम सांसें ले रहा है और आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है, लेकिन वह तब तक दम तोड़ने वाला नहीं, जब तक आतंकियों को स्थानीय स्तर पर समर्थन और संरक्षण मिलना बंद नहीं होता। स्पष्ट है कि आतंकियों के खुले-छिपे समर्थकों के खिलाफ और कठोरता दिखानी होगी। इसके लिए सुरक्षा बलों को अपनी रणनीति भी बदलनी होगी, क्योंकि उनकी सख्ती के चलते हाइब्रिड किस्म के आतंकी और उनका साथ देने वाले ओवर ग्राउंड वर्कर उभर आए हैं। हाइब्रिड आतंकी वे तत्व हैं, जो सामान्य लोगों जैसे रहते हुए आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसी तरह ओवर ग्राउंड वर्कर भी आम लोगों की तरह जीवन-यापन करते हुए आतंकियों को शरण देने, उन्हें सूचनाएं पहुंचाने और उनके हथियारों को इधर-उधर करने का काम करते हैं। चूंकि इन तत्वों की पहचान करना कठिन होता है, इसलिए सुरक्षा बलों की तमाम सतर्कता के बाद भी आतंकी जब-तब हमले करने में सफल हो जाते हैं। ऐसे हमले उनकी हताशा के साथ-साथ उनके दुस्साहस को भी बयान करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुलगाम में सीआरपीएफ जवानों को उसी दिन निशाना बनाया गया, जिस दिन उपराज्यपाल शहर के एक कालेज में तीन दिनों तक चलने वाले एक सांस्कृतिक-व्यापारिक उत्सव में शामिल होने गए थे। ऐसे मौके पर आतंक का सिर उठाना शुभ संकेत नहीं। नि:संदेह अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद जम्मू-कश्मीर का माहौल बदला है, लेकिन शायद अभी वह समय नहीं आया कि उसके पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने पर विचार किया जाए। चूंकि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को नए सिरे से खाद-पानी देने की कोशिश में है, इसलिए यह भी आवश्यक है कि नियंत्रण रेखा को पूरी तरह अभेद्य बनाया जाए। इसी के साथ पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश देने में संकोच न किया जाए कि वह आपरेशन सिंदूर भूलने की गुस्ताखी न करे। पाकिस्तान को यह पता चलते रहना चाहिए कि आतंक के सहारे भारत को नुकसान पहुंचाने की उसकी कोई भी कोशिश उस पर बहुत भारी पड़ेगी। भारत को उससे तब तक सतर्क रहना होगा, जब तक उसकी जमीन पर आतंकियों के अड्डे खत्म नहीं हो जाते।

तापमान के टूटते रिकॉर्ड, जलवायु संकट से निपटने में दुनिया नाकाम

जलवायु परिवर्तन के खंतरों से दुनिया दशकों से परिचित है। इसके कारण और समाधान भी स्पष्ट हैं, लेकिन वैश्विक तापमान में लगातार वृद्धि बता रही है कि चिंता और कार्रवाई के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। विकसित देशों की दोहरी नीति, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता और पर्यावरण की अनदेखी ने संकट को और गहरा कर दिया है। अब सवाल है कि दुनिया चेतावनी के बावजूद ठोस कदम उठाने से क्यों बच रही है।

वैश्विक पर्यावरण संकट: धरती का बढ़ता तापमान अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की गंभीर चुनौती बन चुका है। भीषण गर्मी, अनियमित बारिश, बाढ़, सूखा और चक्रवात जैसी घटनाएं लगातार प्रकृति के बिगड़ते संतुलन की ओर संकेत कर रही हैं। विडंबना यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारणों और उससे निपटने के उपायों की जानकारी होने के बावजूद दुनिया इस संकट को नियंत्रित करने में सफल नहीं हो पा रही है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में बड़े-बड़े संकल्प लिए जाते हैं, पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धताएं दोहराई जाती हैं, लेकिन धरातल पर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 ज्ञात मौसम इतिहास के चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की आशंका है। जनवरी से सितंबर के बीच वैश्विक औसत तापमान औद्योगिक काल से पहले के स्तर की तुलना में 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। यह आंकड़ा बताता है कि धरती तेजी से गर्म हो रही है और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अब अधिक व्यापक होता जा रहा है।



अल-नीनो से बढ़ी तापमान की चिंता: वर्ष 2026 में तापमान वृद्धि के पीछे अल-नीनो का प्रभाव भी एक महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है। प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में होने वाला यह बदलाव दुनिया के मौसम को प्रभावित करता है। इसके प्रभाव से कहीं सूखे की स्थिति बनती है तो कहीं अत्यधिक बारिश और गर्मी का खतरा बढ़ जाता है। इस वर्ष इसके प्रभाव के और मजबूत होने की आशंका ने भारत सहित कई देशों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि तापमान में अस्थायी उतार-चढ़ाव के लिए अल-नीनो को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, लेकिन वैश्विक तापवृद्धि का मूल कारण मानवीय गतिविधियां ही हैं। औद्योगिक विकास, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, जंगलों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित दोहन वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा रहा है। यही गैसें धरती की गर्मी को वायुमंडल में रोककर वैश्विक तापमान में वृद्धि करती हैं।

विकसित देशों की जिम्मेदारी से दूरी: जलवायु संकट के समाधान में सबसे बड़ी बाधा विकसित और विकासशील देशों के बीच जिम्मेदारी को लेकर मतभेद हैं। अमेरिका और यूरोप सहित कई विकसित देश पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हैं, लेकिन कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए अपेक्षित प्रतिबद्धता नहीं दिखाते। औद्योगिक विकास के लंबे इतिहास और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक इस्तेमाल से इन देशों की जलवायु परिवर्तन में बड़ी भूमिका रही है। इसके बावजूद जलवायु संकट से निपटने का दबाव अक्सर विकासशील देशों पर अधिक डाला जाता है। भारत सहित वैश्विक दक्षिण के देश लंबे समय से यह मांग करते रहे हैं कि विकसित राष्ट्र अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकार करें और विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा तथा पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने के लिए पर्याप्त आर्थिक एवं तकनीकी सहायता दें। दरअसल, जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक न्याय का भी सवाल है। जिन देशों का वैश्विक उत्सर्जन में योगदान कम है, वे भी इसके दुष्परिणामों का सामना कर रहे हैं। इसलिए जलवायु संकट से निपटने के लिए सभी देशों की भागीदारी के साथ उनकी क्षमता और ऐतिहासिक जिम्मेदारी को भी ध्यान में रखना होगा।

विकास की दौड़ में पर्यावरण की अनदेखी: समस्या केवल सरकारों और औद्योगिक संस्थानों तक सीमित नहीं है। हमारी जीवनशैली और उपभोग की आदतें भी पर्यावरण पर दबाव बढ़ा रही हैं। विकास के नाम पर जंगलों का विनाश, अनियोजित शहरीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या और ऊर्जा का अनावश्यक इस्तेमाल प्राकृतिक संतुलन को प्रभावित कर रहे हैं।त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों में भी पर्यावरण की चिंता अक्सर पीछे छूट जाती है। आतिशबाजी, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और संसाधनों की बर्बादी से प्रदूषण बढ़ता है। यह विरोधाभास है कि एक ओर पर्यावरण संरक्षण के संदेश दिए जाते हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा की गोल्डन गोल एफडी पर बंपर रिटर्न

मुंबई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 555 दिनों वाली गोल्डन गोल डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद, सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 6.85 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.35 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन्स को 7.45 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह स्कीम विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो अपनी बचत को सुरक्षित रखते हुए बेहतर रिटर्न चाहते हैं। इसमें मात्र 1,000 रुपये से निवेश शुरू किया जा सकता है। निवेशक बैंक ऑफ बड़ौदा के बीओबी वर्ल्ड मोबाइल ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर आसानी से एफडी खुलवा सकते हैं। यह बदलाव निवेशकों को बेहतर कमाई का मौका देता है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा।

एमके संस में मनुजा श्रॉफ का 26 करोड़ का बड़ा निवेश

नई दिल्ली ।

मशहूर निवेशक मनुजा गौतम श्रॉफ ने हाल ही में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स में बड़ा निवेश किया है। उन्होंने खुले बाजार से लगभग 26 करोड़ रुपये के 15.44 लाख शेयर खरीदे हैं, जिससे बाजार में कंपनी के प्रति विश्वास बढ़ा है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, श्रॉफ ने चार नवंबर को कंपनी की लिस्टिंग के दिन 169.04 रुपये के औसत भाव पर 4.33 लाख से अधिक शेयर (7.32 करोड़ रुपये) खरीदे। इसके बाद, उन्होंने 12 नवंबर को 166.69 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर 11.11 लाख से अधिक शेयर (18.52 करोड़ रुपये) खरीदे। इन दोनों सौदों को मिलाकर, उन्होंने कुल 15.44 लाख शेयर 25.85 करोड़ रुपये में हासिल किए। वर्ष 2012 में स्थापित एमके संस फाइन ज्वेल्स आभूषण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में है। कंपनी के मुंबई और अहमदाबाद में कुल पांच शोरूम हैं।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का 456 करोड़ का आईपीओ 18 नवंबर को

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का 456 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की शुक्रवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, तीन दिन का यह निर्गम 20 नवंबर को बंद होगा। बड़े निवेशक 17 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 101 करोड़ रुपये तक के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनी सैफायर क्रॉप साइंस द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और रणनीतिक पहलों के वित्तपोषण तथा सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। वर्ष 1994 में स्थापित क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन फसल समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। इसके उत्पादों में कृषि रसायन और बीज प्रमुख हैं।कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ में इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण किया

स्मार्ट मीटरिंग में मजबूत हुई पैठ एनआईआईएफ और ईईएसएल से हुई डील

नई दिल्ली ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण सौदे से अदाणी समूह की कंपनी स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद वैकल्पिक परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। इंटेलिस्मार्ट बिजली के लिए उन्नत मीटरिंग बुनियादी ढांचा (एएमआई) उपलब्ध कराती है और कुछ स्मार्ट गैस मीटर भी स्थापित करती है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 30 अक्टूबर को इस अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे पहले जून में एईएसएल ने अधिग्रहण समझौते की घोषणा की थी। एनआईआईएफ भारत का संप्रभु समर्थित वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जबकि ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है।

बिकवाली के दबाब से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 81,300, निफ्टी 25,100.85 के स्तर पर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते 10 दिनों की हरियाली के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बिकवाली का जोर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी टूट गए। सेंसेक्स 537.56 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.45 के स्तर पर पहुंच गया। यह 0.65 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल निशान में रहा। निफ्टी 198.50 अंक टूटकर 25,100.85 के स्तर पर आ गया। यह सूचकांक में 0.78 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। बाजार खुलने के दौरान निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। शेयर बाजार में शुरुआत कारोबार में निफ्टी 50 में सिप्ला, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज लैब्स, मैक्स हेल्थकेयर और एसबीआई सबसे ज े यादा बढ़ने वाले शेयर हैं। वहीं टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, जियो फाइनेंशियल और एटीएमपीवी शेयर शामिल हैं।



निफ्टी 50 में शामिल आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई में जोरदार गिरावट आई है।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 1,583.80 रुपये पर कारोबार कर रहा है। बजाज फाइनेंस का शेयर 0.33 फीसदी टूटकर 1,111.35 रुपये और एचडीएफसी बैंक 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 801.60 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

रुपया सात पैसे चढ़कर 94.05 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ सात पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर निवेश, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अनुकूल बाहरी माहौल से रुपये में सकारात्मक रुझान दिख रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 94.07 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 94.05 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.15 पर रहा।

जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी चिप मेकिंग कंपनी एनवीडिया पिछले कुछ दिनों से अपने सीईओ से जुड़े विवादों के चलते काफी सुर्खियों में थी।

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े मामले की खबरें जैसे ही बाहर आईं, भूचाल मच गया। जेनसन इन विवादों में आए और विवादों को बढ़ता हुआ देख उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन के पद से इस्तीफा देते ही इसका असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत में और गिरावट दर्ज की गई, और शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 14 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, बाद में गिरावट कुछ कम हुई और शेयर करीब 11.5 फीसदी नीचे कारोबार करने लगे।

यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गई, जिन्होंने बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत पर करीब से नजर रखी। पिछले कुछ दिनों से एनवीडिया के शेयर लगातार दबाव में थे। सीईओ से जुड़े विवादों और अन्य आरोपों के कारण कंपनी के शेयरों पर इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा था। अब इस गिरावट के कारण कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची से नीचे खिसक गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एक बड़े विवाद के कारण कंपनी की पूरी वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कंपनी ने जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर की पुष्टि स्वयं की है।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्रॉड का खतरा,बैंक हुए सख्त

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने की कवायद तेज, ग्राहकों का पैसा बचाने पर जोर

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल



धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई की को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं ।

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट रिपोर्ट

टर्मिनल रेट 6 फीसदी पर स्थिर होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि लगातार कई बार ब्याज दरें बढ़ाने की पहले की उम्मीदें अब खारिज हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी 50-50 संभावना है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को रहेंगी बाधित

नई दिल्ली ।



एचडीएफसी बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक अहम सूचना जारी की है। बैंक की नेटबैंकिंग और मोबाइल ऐप सहित कई डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को तड़के 2:30 बजे से सुबह 6:30 बजे तक, यानी चार घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रोक जरूरी सिस्टम मेंटेनेंस के कारण लगाई गई है। इस अवधि के दौरान ग्राहक फंड ट्रांसफर, ऑनलाइन भुगतान और खाते से जुड़ी कई डिजिटल सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे। बैंक के अनुसार यह मेंटेनेंस डिजिटल सेवाओं की दक्षता और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि यूपीआई और जेडएपीपी से संबंधित सेवाएं इस दौरान भी जारी रहेंगी। ऐसे में जिन्हें तुरंत भुगतान करना हो, वे इन सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

देशभर के बैंक 14 और 15 नवंबर को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना पर फिर से विचार कर लें। 13 नवंबर को भले ही कुछ राज्यों में बैंक खुले हैं, लेकिन आने वाले दिनों में छुट्टियों की लंबी कतार है। खासकर, अगले दो दिन यानी 14 और 15 नवंबर को देशभर के बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 13 नवंबर शुक्रवार को सिर्फ मेघालय में वांगाला फेस्टिवल के कारण बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। यह गारो समुदाय का प्रमुख 100 ड्रम फेस्टिवल है। हालांकि, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में बैंक खुले हैं। बैंक ग्राहकों को विशेष ध्यान देना चाहिए कि 14 नवंबर को महीने का दूसरा शनिवार है, जिसके कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके ठीक बाद 15 नवंबर को रविवार है, जिससे बैंक लगातार दो दिन अवकाश पर रहेंगे। ऐसे में चेक जमा करने, दस्तावेज जमा कराने या ब्रांच से जुड़े किसी भी जरूरी काम के लिए आज का दिन एक अच्छा मौका है। नवंबर में छुट्टियों का सिलसिला यहीं नहीं थमता। 16 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर बिहार और झारखंड में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा, 20 नवंबर को उत्तराखंड में इगास-बग्वाल, 23 नवंबर को मेघालय में सेंग कुट स्नेम, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के कारण कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

27 नवंबर को कर्नाटक में कनकदास जयंती के चलते भी बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। इसलिए बैंक जाने से पहले छुट्टियों की पूरी जानकारी अवश्य जुटा लें।

मलेशिया का भारत,चीन से सीधी उड़ानें बढ़ाने पर जोर

सरकार ने 2027 के बजट में 93.5 करोड़ रिंगित आवंटित किए

कुआलालंपुर ।

मलेशिया ने भारत, चीन और मध्य एशिया जैसे प्रमुख बाजारों से सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। सरकार अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ानों को प्रोत्साहन अनुदान देकर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है। मलेशिया के उप परिवहन मंत्री दातुक हाजी हस्बी बिन हाजी हबीबुल्लाह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि 2027 के बजट में पर्यटन, संस्कृति और कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए गए हैं। यह अनुदान अंतरराष्ट्रीय और चार्टर विमानन कंपनियों को चीन, भारत और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों से सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मलेशिया भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है; इस साल जनवरी-अगस्त में 9.6 लाख भारतीय पर्यटक आए।

अनुदान का दायरा अब क्रूज जहाजों, फेरी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लाने वाली टूर बसों को भी शामिल करने के लिए बढ़ाया गया है। मलेशिया एयरलाइंस, एयर इंडिया और इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां वर्तमान में मलेशिया और भारत के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती हैं।



आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप शुरु

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में पहली बार बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्नूकर प्रतियोगिता का रोमांच देखने को मिलेगा। आज 12 से 21 नवंबर तक यशवंत क्लब में आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया जाएगा।इसमें दुनिया के 30 से अधिक देशों के खिलाड़ी खिताब के लिए मुकाबला करेंगे।

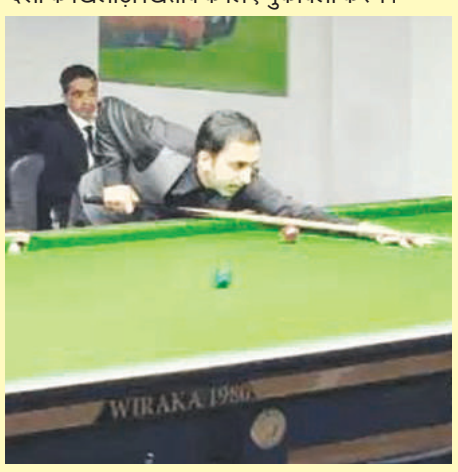

चैंपियनशिप में भारत की 22 सदस्यीय टीम भी हिस्सा लेगी। इसमें देश के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी पंकज आडवाणी और महिला चैंपियन अनुपमा रामचंद्रन शामिल हैं। प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे।

13 नवंबर से शुरू होंगे मुकाबले

12 नवंबर को शाम 7 बजे खिलाड़ियों और रेफरियों की बैठक होगी। इसके बाद 13 नवंबर से क्वालिफाइंग मुकाबलों की शुरुआत होगी। प्रतियोगिता 21 नवंबर तक चलेगी। इस दौरान विभिन्न देशों के खिलाड़ी विश्व चैंपियन बनने के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

इंदौर को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय पहचान- इस चैंपियनशिप के आयोजन से इंदौर को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। देश-विदेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों और खेल प्रेमियों की मौजूदगी से शहर में खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

न्यूजीलैंड ने फुटबॉल मैच में भारत को 5-0 से हराया

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय फुटबॉल टीम को पहले इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में 0-5 से हार मिली।ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम ने पहले हाफ में ही 3 गोल की बढ़त बना ली थी।

10 साल की ईरा ने बनाए 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वलिफाइड स्कूबा डाइवर बनीं, माता-पिता नेवी में कमांडर



मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बुलढाणा की 10 साल की ईरा आदित्य राउत ने स्कूबा डाइविंग में एक दिन में 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने 10 साल, 17 घंटे और 35 मिनट की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने का रिकॉर्ड बनाया। ईरा ने यह उपलब्धि अंडमान-निकोबार के शहीद द्वीप स्थित डाइव ट्राइब सेंटर में हासिल की। उनके माता-पिता दोनों भारतीय नौसेना में कमांडर हैं।

- **एसएसआई ने डाइविंग योग्यता प्रमाणित की, 6 रिकॉर्ड की पुष्टि हुई-** ईरा की स्कूबा डाइविंग योग्यता को अंतरराष्ट्रीय संस्था स्कूबा स्कूल्स इंटरनेशनल (एसएसआई) ने प्रमाणित किया है। वहीं, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक अरविंदर सिंह भाटी ने मौके पर उनके सभी 6 रिकॉर्ड की जांच कर पुष्टि की।
- **पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा हैंड सिग्नल दिखाए-** ईरा ने सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने के अलावा पानी के अंदर कई रिकॉर्ड बनाए। इनमें तीन रिकॉर्ड टीनएज से कम उम्र के प्रतिभागियों की कैटेगरी में दर्ज हुए।

हैंड सिग्नल- पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा स्कूबा डाइविंग हैंड सिग्नल दिखाने का रिकॉर्ड।

डाइविंग उपकरणों की पहचान- पानी के नीचे सबसे ज्यादा डाइविंग उपकरणों की पहचान करने का रिकॉर्ड।

सबसे ज्यादा दूरी- पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा दूरी तय करने का रिकॉर्ड।

समुद्री जीवों की पहचान- स्कूबा डाइविंग के दौरान सबसे ज्यादा समुद्री जीवों की प्रजातियों की पहचान करने का रिकॉर्ड।

एक दिन में 6 रिकॉर्ड:

एक ही दिन में 6 अलग-अलग वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का कीर्तिमान।ईरा ने एक ही दिन में तीन रिकॉर्ड अपने नाम किया।

पिता-मां नेवी में कमांडर, दादा भी रह चुके नौसेना अधिकारी



ईरा के पिता कमांडर आदित्य राउत और मां कमांडर स्नेह बुडाकोटी भारतीय नौसेना में सेवाएं दे रहे हैं। उनके दादा अशोक राजाराम राउत भी नौसेना में कमांडर रह चुके हैं। ईरा का परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले का रहने वाला है।ईरा फिलहाल कर्नाटक के कारवार स्थित नेवल चिल्ड्रन स्कूल में कक्षा 5वीं की छात्रा हैं। नौसेना से जुड़े परिवार में पली-बढ़ीं ईरा ने कम उम्र में ही स्कूबा डाइविंग जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स में रुचि दिखाई।

सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

आज पहली बार कप्तानी करेंगे श्रेयस अय्यर



माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। टीम इंडिया फिलहाल सीरीज में 2-0 से आगे है और उसकी नजर इस मुकाबले को जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होगी। वहीं, न्यूजीलैंड के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करते नजर आएंगे, क्योंकि शुभमन गिल टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए टीम से बाहर हो गए हैं।

पहली बार वनडे कप्तानी श्रेयस के लिए सबसे बड़ी चुनौती - चौथे वनडे में श्रेयस अय्यर के लिए सबसे बड़ी चुनौती कप्तानी के साथ बल्लेबाजी में भी खुद को साबित करने की होगी। वह पहली बार भारतीय वनडे टीम की कप्तानी संभालेंगे। हालांकि, इस सीरीज में उनकी बल्लेबाजी चर्चा का विषय रही है और शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी परेशानी एक बार फिर सामने आई है।

शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी टीम से हुए बाहर- न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी दो वनडे मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में कई बदलाव किए गए हैं। शुभमन गिल टेस्ट सीरीज की तैयारियों पर ध्यान देने के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। उनके अलावा केएल राहुल और अंशुल कंबोज भी रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी के लिए टीम छोड़ चुके हैं। इन खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है।

रोहित शर्मा के साथ कौन करेगा ओपनिंग- शुभमन गिल के टीम से बाहर होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि चौथे वनडे में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। इसके लिए ईशान किशन और रुतुराज गायकवाड़ दो प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। रोहित शर्मा भी इस दौरे पर अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने सीरीज में अब तक 0 और 23 रन बनाए हैं।

'टॉक्सिक' में इंटीमेट सीन देकर घिरी थीं अभिनेत्री, अब बताया कैसा था सिद्धार्थ का रिएक्शन

बॉलीवुड में शादी के बाद अभिनेत्रियों के ऑनस्क्रीन किरदारों और उनके फैसलों को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासकर जब कोई अभिनेत्री शादी और मां बनने के बाद पर्दे पर बोल्ड या इंटीमेट सीन करती है, तो उसे सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है।

ऐसा ही कुछ कियारा आडवाणी के साथ भी हुआ, जब फिल्म 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके इंटीमेट सीन को लेकर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया। अब अभिनेत्री ने इस पूरे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि इस मामले पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा का क्या रिएक्शन था।

क्या बोलीं कियारा आडवाणी?

'कॉफी विद करण' सीजन 9 में सिद्धार्थ के साथ पहुंचीं कियारा ने बताया कि शादी और मां बनने के बाद फिल्म में उनके ऑनस्क्रीन चुनावों को लेकर इंटरनेट पर कई तरह के सवाल उठाए गए थे। कियारा ने साफ किया कि सोशल मीडिया पर हो रही बातों से सिद्धार्थ को कोई फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने इस मुद्दे को कभी परेशानी नहीं माना और न ही इस बारे में उनसे कोई सवाल किया।



करीना ने पति सैफ अली खान की तारीफ की, बोलीं-

'आप सूर्य नमस्कार में मुझे पीछे छोड़ रहे हैं'



रियलिटी टीवी पर अपनी शानदार केमिस्ट्री दिखाने के बाद, बॉलीवुड कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान सोशल मीडिया पर भी अपनी केमिस्ट्री दिखा रहे हैं। करीना ने सूर्य नमस्कार करने में अपने पति के कौशल की तारीफ की है। बुधवार को अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे सूर्य नमस्कार करते हुए नजर आए। वे अपने काम की व्यस्तताओं में वापस लौटने की तैयारी कर रहे हैं। अभिनेत्री ने अपने पति की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, 'लगता है आपने सूर्य नमस्कार करने में मुझे पीछे छोड़ दिया। ' दरअसल, सैफ ने अपना फिटनेस रूटीन फिर से शुरू कर दिया है और एक नए वीडियो के जरिए अपने वर्कआउट सेशन की झलक दिखाई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक क्लिप शेयर की, जिसमें वे बिना शर्ट के कसरत करते दिख रहे हैं। वीडियो में 'ओमकारा' फेम अभिनेता अपनी बॉडी और मसल्स दिखाते हुए कई तरह की कसरत और कुछ योगासन करते नजर आ रहे हैं। वर्कआउट के लिए बिना शर्ट के नजर आ रहे सैफ पूरी तरह केंद्रित दिख रहे हैं। वीडियो के साथ सैफ ने वापस काम पर लौटने और नए साल की ओर देखते हुए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व पर बात की। उन्होंने लिखा, 'अब काम पर लौटने का समय आ गया है। पहले मन, फिर शरीर एक खुशहाल नए साल के लिए वापस सही रास्ते पर। कुछ दिन पहले सैफ ने अपने इंस्टाग्राम पर एक और दिलचस्प वीडियो शेयर किया था।

प्रिया भवानी शंकर बॉयफ्रेंड राजवेल राज संग रचाई शादी

अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर ने अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड राजवेल राज के साथ शादी कर ली है। सोशल मीडिया पर शादी समारोह के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें जश्न की झलक देखने को मिल रही है। वीडियो के सामने आते ही फैंस की ओर से इस जोड़े को बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई है। प्रिया और राजवेल की शादी के जश्न का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अभिनेत्री पारंपरिक लाल साड़ी में बेहद



सामने आए सेरेमनी के फोटो और वीडियो

खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने बहुत कम गहने पहने और उनके बाल भी एक साधारण हेयरस्टाइल में हैं। वहीं राजवेल सफेद शर्ट और धोती में काफी सादे और शालीन लुक में नजर आए। वीडियो में राजवेल को दुल्हन की सहेलियों के साथ प्रिया की ओर आते हुए देखा जा सकता है। वीडियो के अंत में यह नया जोड़ा एक-दूसरे को गले लगाता है, जिससे उनके इस निजी और खास जश्न की एक झलक मिलती है। एक दशक से भी ज्यादा समय तक साथ रहने के बाद, प्रिया और राजवेल ने अब अपने रिश्ते को एक नया मोड़ दिया है।



अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प बोले- एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग नर्क से गुजर रहे

डोनाल्ड ट्रम्प ने हुआंग को कंपनी में अपना पद बचाने के लिए संघर्ष करने की दी थी सलाह

● वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जेनसेन हुआंग को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने निजी चैनल को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि हुआंग ने उन्हें कॉल किया था। उस दौरान ट्रम्प ने हुआंग को कंपनी में अपना पद बचाने के लिए संघर्ष करने की सलाह दी थी।

ट्रम्प ने बताया कि हुआंग कह रहे थे कि मेरी वजह से मेरी पत्नी और परिवार को क्या कुछ झेलना पड़ रहा है। उन्होंने मुझे बताया कि वे नर्क से गुजर रहे हैं। उन्हें सबसे ज्यादा चिंता अपनी पत्नी और परिवार की है। हालांकि, हुआंग ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद एनवीडिया ने घोषणा की है कि कंपनी की सीएफओ कोलेट क्रेस्स अंतरिम सीईओ का कार्यभार संभालेंगी, जबकि बोर्ड किसी स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश करेगा। हुआंग के निजी संबंधों के बारे में खुलासे होने के बाद उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई थी, जिसके बीच ट्रम्प ने हस्ताक्षेप करने की कोशिश की थी।

जेनसेन हुआंग का एक चीनी लड़की के साथ अफेयर का मामला सामने आया था, जिस पर स्पाई होने का शक अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने किया। इन आरोपों के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी और एनवीडिया ने भी एक जांच करने में मदद पहुंचाई।



बायोग्राफर ने हुआंग को बताया घमंडी व गुस्सैल

हुआंग की जीवनी लिखने वाले लेखक स्टीफन विट ने उनके गुस्से और घमंड को लेकर भी कई दावे किए हैं। विट ने 2025 में 'द थिंकिंग मशीन' नाम से उनकी आटोबायोग्राफी लिखी थी। उनका कहना है कि हुआंग की कहानी सिर्फ बिजनेस में कामयाबी की नहीं हैं। यह घमंड और खुद को सबसे ऊपर समझने की भी कहानी है। स्टीफन विट के मुताबिक, हुआंग को अपनी बात का विरोध पसंद नहीं था। अगर कोई उनसे असहमति जताता था तो वह भड़क जाते थे। विट ने न्यूयॉर्क टाइम्स के लिए लिखे एक कॉलम में लिखा था कि हुआंग छोटी-छोटी बातों पर भी गुस्सा हो जाते थे। वह सामने वाले पर चिल्लाने लगते थे। उनका गुस्सा कई बार एक घंटे या उससे ज्यादा समय तक रहता था। विट का दावा है कि कंपनी के कई बड़े अधिकारी भी उनसे सवाल पूछने या असहमति जताने से डरते थे। उन्होंने कभी डिशवॉशर का काम किया था।

चीन ने जासूसी के दावों को खारिज कर दिया

हुआंग के एलिस हुआंग नाम की एक चीनी बिजनेल वुमेन के साथ संबंधों की खबरें सामने आई थी। इसके बाद दोनों के रिश्तों की जांच शुरू हुई। एलिस हुआंग, सिंगापुर स्थित मेगास्पीड इंटरनेशनल की पूर्व कार्यकारी अधिकारी रही हैं। अमेरिकी खुफिया अफसरों को शक था कि वह चीन को जानकारी पहुंचा रही थीं, हालांकि इन आरोपों की सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। चीन ने जासूसी के इन दावों को खारिज कर दिया है। एनवीडिया के बोर्ड ने पहले ही इस बात की जांच शुरू कर दी थी कि क्या उनके सीएफओ को किसी विदेशी खुफिया अभियान के तहत निशाना बनाया गया था। उस समय कंपनी ने कहा था कि उनके पास ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है कि कंपनी के बिजनेस सीक्रेट या नेशनल सिक्योरिटी से कोई डील हुई है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ ने खुद सैनिक को पहनाया मेडल

हेगसेथ को सबके सामने लगाई थी फटकार

● न्यूयॉर्क / आरएनएन

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने उस सैनिक को बड़ा सैन्य सम्मान दिया है, जिसने वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद उन्हें और उनके सहयोगियों को अनुशासन बनाए रखने की याद दिलाई थी। यह घटना अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री में अज्ञात सैनिकों की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) पर हुई थी। खास बात यह है कि हेगसेथ ने खुद सैनिक की वर्दी पर मेडल लगाया और उससे हाथ मिलाया।

थॉमस इग्लेसियास को मिला जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल: पेंटागन के मुताबिक, रक्षा मंत्री हेगसेथ ने समाधि की सुरक्षा करने वाली अमेरिकी



सेना की टुकड़ी को पेंटागन में आमंत्रित किया था। इस दौरान स्पेशलिस्ट थॉमस इग्लेसियास को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 11 नवंबर को 'टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर' में अपनी ड्यूटी निभाने के लिए दिया गया। हेगसेथ ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इस सम्मान की तस्वीरें भी साझा कीं। तस्वीरों में वह सैनिक को मेडल लगाते और उससे हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं।

चीन ने सरोगेसी को बनाया क्रिमिनल एक्ट

बीजिंग, आरएनएन। चीन ने सरोगेसी को लेकर अपना रुख और सख्त किया है। सरकार ने साफ कर दिया है कि देश में सरोगेसी कराना ही नहीं, बल्कि इससे जुड़ी व्यवस्था करना भी आपराधिक मामला होगा। ऐसे मामलों में शामिल लोगों को कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

दोषी पाए जाने पर होगी जेल

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के प्रवक्ता यांग जिनरुई ने शुक्रवार को यह चेतावनी दी। सरकारी मीडिया के मुताबिक, यांग ने कहा कि चीन में सरोगेसी के हर रूप पर रोक है। इसके लिए किसी तरह की व्यवस्था करना नैतिक मानकों का उल्लंघन है ।

ग्रैमी अवार्ड्स: रोसालिया ने 5 अवार्ड जीत बनाया रिकॉर्ड

● वाशिंगटन

27वें लैटिन ग्रैमी अवार्ड समारोह 2026 का समापन शुक्रवार की सुबह यूएस के लास वेगास में हुआ। स्पेनिश गायिका रोसालिया ने अवार्ड समारोह में अपना दबदबा कायम रखते हुए पांच अवार्ड जीते।



रोसालिया को दो सबसे अहम श्रेणियों में नामांकित किया गया था। उनके एल्बम लक्स के लिए एल्बम ऑफ द ईयर और उनके हिट गाने 'ला पर्ला' के लिए सॉन्ग ऑफ द ईयर। जीत के साथ रोसालिया तीन लैटिन ग्रैमी एल्बम ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने वाली कलाकार बन गई हैं - जो लैटिन संगीत के इतिहास में एक नया मील का पत्थर है। अर्जेंटीना के ख्यात कलाकार मिलो जे ने भी अपने गीत 'नीनो' के लिए रिकॉर्ड ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीतने के लिए कई स्थापित नामों को आश्चर्यजनक रूप से पीछे छोड़ दिया।

रोसालिया ने मंच पर खुशी के आंसू बहाए और दर्शकों में मौजूद साथियों के साथ अपनी खुशी साझा की। सर्वश्रेष्ठ नवोदित कलाकार श्रेणी में प्रतिष्ठित स्वर्ण ट्रॉफी गायिका आरिया वेगा को मिली। अवार्ड समारोह में कैरोल जी के लिए बड़ी उपलब्धि साबित हुआ जिन्होंने लगातार चौथी बार प्रोड्यूसर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील का दिखा असर

लद्दाख की वादियों में उमड़े सैलानी

10 महीने में 66 फीसदी तक बढ़े पर्यटक, टूटा रिकॉर्ड

● लेह

लद्दाख में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2026 के पहले 10 महीनों में पर्यटकों की संख्या में 65.90 फीसदी की वृद्धि हुई है।

इस साल 4.9 लाख पर्यटक आए: उपराज्यपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में यह बात कही। केंद्र शासित प्रदेश में जनवरी से अक्तूबर 2026 के बीच कुल 4.91 लाख पर्यटक आए। पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 2.96 लाख थी। लद्दाख में इस साल लगातार छठे महीने पर्यटन में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई है। मई 2026 में पर्यटकों की संख्या में 121 फीसदी की वृद्धि हुई। जून में यह वृद्धि 43 फीसदी, जुलाई में 56 फीसदी और अगस्त में 65 फीसदी रही। सितंबर में भी 61



फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। अक्तूबर में यह वृद्धि का सिलसिला जारी रहा। अक्तूबर 2026 में 30,623 पर्यटक पहुंचे, जबकि पिछले साल अक्टूबर में 17,537 पर्यटक आए थे। यह 74.62 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है।

वृद्धि के लिए पीएम मोदी को श्रेय: उपराज्यपाल ने इस वृद्धि का श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान को दिया। प्रधानमंत्री ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने का आह्वान किया था। इसके साथ ही, उनके प्रशासन की लक्षित नीतिगत पहल भी सहायक रही हैं। इन पहलों का उद्देश्य स्थानीय पर्यटन उद्योग को मजबूत करना है।

आज का इतिहास

- **1681:** ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के अलग रियासत बनने की घोषणा की।
- **1922:** बीबीसी ने ब्रिटेन में रेडियो सेवा शुरू किया। वह ब्रिटेन में रेडियो प्रसारण करने वाली पहली संस्था बनी।
- **1973:** ब्रिटेन की राजकुमारी ऐन ने आम नागरिक से शादी की। इससे पहले राजघराने में ऐसा नहीं हुआ था।
- **1999:** यूएन एक माह के भीतर अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को सं.रा. अमेरिका या किसी तीसरे देश को न सौंपने के कारण तालिबान पर प्रतिबंध लागू, राष्ट्रमंडल सम्मेलन (डरबन, दक्षिण अफ्रीका) द्वारा पाकिस्तान को निलम्बित करने की घोषणा।

स्वास्थ्य

डब्ल्यूएचओ ने कहा, बीमारी के जांच और इलाज में दक्षिण-पूर्व एशिया ने वैश्विक औसत को पछाड़ा

टीबी से जंग में दक्षिण-पूर्व एशिया को बड़ी सफलता

भारत में 2015 के बाद से टीबी से होने वाली मौत में 38 प्रतिशत की कमी आई

● संयुक्त राष्ट्र

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र ने टीबी के खिलाफ लड़ाई में अहमउपलब्धियां हासिल करते हुए इस क्षेत्र ने टीबी के रोगियों तक अपनी पहुंच और इलाज के मामले में वैश्विक औसत को पीछे छोड़ दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में टीबी से पीड़ित 87 प्रतिशत लोगों तक जांच और उपचार सेवाएं पहुंचाई गईं, जबकि वैश्विक औसत 79 फीसदी ही था। इसके अलावा, मरीजों के ठीक होने की सफलता दर भी वैश्विक औसत से काफी बेहतर रही है। दवा-संवेदनशील टीबी के लिए यह 93 प्रतिशत और रिफैम्पिसिन-प्रतिरोधी टीबी के लिए 74 प्रतिशत दर्ज की गई। वर्ष 2015 के बाद से इस क्षेत्र में टीबी के नए मामलों में 18 प्रतिशत और इससे होने वाली मौतों में 31 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आई है।



चुनौतियां अभी भी बनी हुई

हालांकि, बीमारी के इस उच्च दबाव के बीच चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। ताजा अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2025 में इस क्षेत्र में 36 लाख नए टीबी मामले सामने आए, जो वैश्विक कुल मामलों का 34 प्रतिशत है, जबकि 4,00,000 लोगों की मौत हुई। यह वैश्विक कुल का 35 प्रतिशत है। इसके अलावा, रिफैम्पिसिन और मल्टीड्रग-प्रतिरोधी टीबी के करीब 1,40,000 मामले सामने आए। यह वैश्विक दबाव का 38 प्रतिशत है।

2030 तक टीबी को जड़ से मिटाएंगे

गौरतलब है कि टीबी एक रोकथाम योग्य और इलाज योग्य बीमारी होने के बावजूद एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। इसकी वजह से परिवार और समुदाय खासे प्रभावित होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, टीबी के प्रसार में कुपोषण (प्रतिवर्ष लगभग 4.5 लाख नए मामले), मधुमेह (लगभग 4 लाख मामले), धूम्रपान, शराब का सेवन और एचआईवी सह-संक्रमण जैसे कारक अहम भूमिका निभाते हैं। साथ ही, टीबी से प्रभावित लगभग 44 प्रतिशत परिवारों को भारी खर्चों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए सामाजिक सुरक्षा और पोषण संबंधी सहायता बेहद जरूरी है। भारत ने टीबी के खिलाफ लड़ाई में अहम उपलब्धि हासिल की है। देश में 2015 के बाद से टीबी से होने वाली मौत के मामलों में 38 फीसदी की कमी दर्ज की गई है जबकि वैश्विक स्तर पर यह गिरावट 35 फीसदी रही है। इन चुनौतियों से पार पाने के लिए, सितंबर 2026 में आयोजित डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय समिति के 79वें सत्र में सदस्य देशों ने 2030 तक टीबी को पूरी तरह समाप्त करने का संकल्प लिया गया था। इस रणनीति के तहत सक्रिय रूप से मामलों की खोज, रैपिड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स का विस्तार, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में टीबी सेवाओं का एकीकरण और घरेलू निवेश को बढ़ावा देना शामिल है। वर्ष 2025 में क्षेत्र में टीबी देखभाल के लिए उपलब्ध 1.03 अरब अमेरिकी डॉलर में से 91 प्रतिशत हिस्सा घरेलू स्रोतों से आया था।

अब हर अग्निवीर को मिलेंगे दो मौके

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने की घोषणा

● नई दिल्ली / आरएनएन

भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि नए बैच में 3000 से अधिक अग्निवीर शामिल हैं जो 16 सप्ताह का प्रशिक्षण पूरा कर रहे हैं।

इस बदलाव को सेना और युवाओं दोनों के लिए विन-विन बताया

एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि यह नौवां बैच है और इससे साफ संदेश मिलता है कि नौसेना में शामिल होने के इच्छुक युवाओं की कोई कमी नहीं है। पास होने वाले अग्निवीरों का हौसला बहुत ऊंचा है। केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना में बड़ा बदलाव किया है। पहले चार साल बाद 75 प्रतिशत अग्निवीर बाहर हो जाते थे। अब उन्हें दो साल का अतिरिक्त मौका दिया गया है। एडमिरल ने इसे सेनाओं और युवाओं दोनों के लिए विन-विन स्थिति बताया। उन्होंने कहा कि अब हर अग्निवीर को दो बार मौका मिलेगा।

एक बार चार साल की सेवा के बाद और फिर नियमित सैनिक बनने का अतिरिक्त अवसर। इससे युवाओं के मन में जो असमंजस था वह खत्म हो जाएगा। अब यह स्पष्टता आ गई है। एडमिरल स्वामीनाथन ने पिछले चार साल के अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि जहां-जहां अग्निवीरों को तैनात किया गया उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।

ईरान डील से वेंस को हटाने के ट्रम्प के फैसले ने चौकाया

वेंस नहीं, रुबियो होंगे ट्रम्प के उत्तराधिकारी

ईरान समझौते से वेंस को हटाकर ट्रम्प ने घरेलू मुद्दों पर लगाया

45 फीसदी रिपब्लिकन वोटर्स ने रुबियो को राष्ट्रपति पद का बेहतरीन उम्मीदवार माना

● वाशिंगटन

अमेरिका में 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अभी से चर्चा शुरू हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद रिपब्लिकन पार्टी में नेतृत्व किसके हाथ में जाएगा। इसे लेकर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के नाम सामने आ रहे हैं। अब दो अलग-अलग रिपोर्ट्स ने इस बहस को और तेज कर दिया है। पहली रिपोर्ट में चुनावी सर्वे के जरिए वेंस और रुबियो की लोकप्रियता के आंकड़े सामने आए हैं, जबकि दूसरी रिपोर्ट बताती है कि ईरान के साथ शांति समझौते के मामले में ट्रंप ने वेंस को बातचीत से अलग कर दिया। रॉयटर्स और इप्सोस के 12 नवंबर के सर्वे के मुताबिक, रिपब्लिकन पार्टी के 45त्न वोटर्स ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को राष्ट्रपति पद के लिए बेहतरीन उम्मीदवार माना। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को 43त्न लोगों ने यह रेटिंग दी। यानी रुबियो को वेंस से 2त्न अंक ज्यादा मिले। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस को 32त्न रिपब्लिकन वोटर्स ने बेहतरीन उम्मीदवार बताया। सर्वे में डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवारों के नाम भी सामने आए। जॉर्जिया के सीनेटर जॉन ओसॉफ और पूर्व परिवहन मंत्री पीट बटिगिएग को 29-29त्न लोगों ने बेहतरीन उम्मीदवार माना। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम को 23-23त्न लोगों ने यह रेटिंग दी. वहीं। न्यूयॉर्क की सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज को 15त्न लोगों ने पसंद किया। यह सर्वे अमेरिका के 1,705 लोगों पर किया गया था। इसमें दोनों पार्टियों के करीब 500-500 रजिस्टर्ड वोटर्स शामिल थे। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक वोटर्स के बीच सर्वे में 5 प्रतिशत अंक की गलती की गुंजाइश है।

हालांकि, अभी किसी भी नेता ने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी घोषित नहीं की है। ट्रम्प के बाद रिपब्लिकन पार्टी में नेतृत्व को लेकर रुबियो और वेंस के नामों पर चर्चा है. ट्रंप भी अपने करीबियों से दोनों नेताओं के बारे में उनकी पसंद पूछ चुके हैं। हालांकि, उन्होंने सीबीएस के कार्यक्रम 60 मिनट्स में कहा था कि वह रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव में किसी एक उम्मीदवार का समर्थन जरूरी नहीं करेंगे। सर्वे में रुबियो को वेंस से थोड़ी बढ़त जरूर मिली, लेकिन उनकी पहचान वेंस के मुकाबले कम ।



वेंस ने ईरान युद्ध को चुनाव में हार की वजह बताया

अमेरिका में हाल ही में हुए 3 नवंबर के मिडटर्म इलेक्शन में रिपब्लिकन पार्टी को डेमोक्रेट्स के हाथों हार मिली थी। इसके बाद वेंस ने माना था कि ईरान युद्ध के आर्थिक बोझ ने पार्टी के चुनावी प्रदर्शन को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने युद्ध खत्म करने की अपनी पुरानी सलाह को सही बताया था। हालांकि, ट्रम्प ने युद्ध का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी थी. अब ट्रंप ने वेंस को मिनेसोटा, कैलिफोर्निया और इलिनॉय जैसे डेमोक्रेटिक शासन वाले राज्यों में कथित भ्रष्टाचार और अपराधों पर ध्यान देने को कहा है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि इन राज्यों में हर महीने अरबों डॉलर की चोरी हो रही है। उन्होंने दावा किया कि इस कथित गड़बड़ी पर कार्रवाई से अमेरिकी बजट का घाटा खत्म करने में मदद मिल सकती है।



THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
राजस्थान अपडेट
धरोहर, विकास और जनहित की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779
शनिवार, 14 नवंबर, 2026

श्री देवनानी को संस्कृत काव्य परम्परा एवं निहित मूल्य पुस्तक भेंट

स्पीकर ने लेखिका को दी बधाई

भारतीय संस्कृति और सनातन ज्ञान का आधार है संस्कृत श्री देवनानी



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी को शुक्रवार को यहां विधान सभा में डॉ. श्वेता गौड ने नव प्रकाशित संस्कृत काव्य परम्परा एवं निहित मूल्य पुस्तक की प्रथम प्रति भेंट की। श्री देवनानी ने डॉ. गौड को पुस्तक के लिए बधाई देते हुए कहा कि भारतीय जान परम्परा, संस्कृत साहित्य और सांस्कृतिक चेतना को समर्पित यह प्रकाशन महत्वपूर्ण शोधपरक है।

श्री देवनानी ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा ही नहीं है अपितु यह भारतीय संस्कृति और सनातन जान का आधार है। उन्होंने कहा कि वेद, उपनिषेद, रामायण, महाभारत और पुराणों से लेकर आधुनिक संस्कृत साहित्य में भारतीय सभ्यता के जीवन मूल्य, दर्शन, राष्ट्र भक्ति और मानव कल्याण की चेतना प्रवाहित होती है। कृति में प्रकृति चित्रण को श्री देवनानी ने सार्थक प्रयास बताया। इस मौके पर श्री आकाश गौड सहित लेखिका के परिजन मौजूद थे।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिवंगत उर्मिला चौधरी को अर्पित की पुष्पांजलि, परिजनों को बंधाया ढांढस



द अनकवर्ड अपडेट

भरतपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय मदन राठौड़ आज शिवकुमार चौधरी के निवास स्थान पहुंचे। यहां उन्होंने शिवकुमार चौधरी की माताजी स्वर्गीय श्रीमती उर्मिला चौधरी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती उर्मिला चौधरी का निधन 7 नवंबर 2026 को हो गया था। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान किया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस दौरान परिवारजनों एवं उपस्थित लोगों ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अजमेर में मादक पदार्थ तस्कर तरुण नाहरिया पर आर्थिक कार्रवाई, 32 लाख कीमत के चार वाहन फ्रीज

एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(2) के तहत कार्रवाई; तस्करी से अर्जित अवैध आय से स्वयं, पत्नी और माता के नाम खरीदे गए थे वाहन

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के विरुद्ध अजमेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तस्कर तरुण नाहरिया एवं उसके परिजनों के नाम पर खरीदे गए चार वाहनों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(2) के तहत फ्रीज करवाया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी ने मादक पदार्थों की तस्करी एवं सप्लाई से अर्जित अवैध आय से अपने नाम के साथ-साथ पत्नी और माता के नाम पर भी वाहन खरीदे थे। सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक, दिल्ली ने इन वाहनों को फ्रीज करने के आदेश जारी किए हैं। फ्रीज की गई संपत्ति की कीमत 32 लाख रुपए आंकी गई है।पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत चालानशुदा अपराधियों के विरुद्ध उनकी अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अजमेर हर्षवर्धन अगरवाला के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर एवं मुख्यालय हिमांशु जांगिड़ तथा वृत्ताधिकारी दक्षिण नगर मनीष बडगूजर के निकटतम सुपरविजन एवं मार्गदर्शन में रामगंज थानाधिकारी हरिपाल सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

31.46 ग्राम एमडी के साथ हुई थी गिरफ्तारी

घटना के अनुसार 6 अगस्त 2026 को थाना रामगंज पुलिस ने तरुण नाहरिया पुत्र सम्पत उम्र 31 वर्ष निवासी सांसी बस्ती भगवानगंज थाना रामगंज अजमेर को 31.46 ग्राम एमडी मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया था। बाद में उसे न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया।इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने आरोपी द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित अवैध आय और उससे खरीदी गई संपत्तियों की जांच शुरू की। वित्तीय अनुसंधान में आरोपी के नाम पर दो वाहन, उसकी पत्नी नेहा के नाम पर एक वाहन तथा उसकी माता दुर्गा देवी के नाम पर एक वाहन खरीदा जाना सामने आया।सक्षम प्राधिकारी ने जारी किए फ्रीजिंग आदेश पुलिस टीम ने तस्करी से अर्जित अवैध आय से खरीदे गए वाहनों से संबंधित दस्तावेज जुटाकर सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक।

विकास और सुरक्षा मेरी प्राथमिकता रहेगी : पिंकी गुर्जर

देवर के बाद भाभी ने संभाली सरपंची, हाथौड़ी पंचायत में गुर्जर परिवार ने लगातार दूसरी बार हासिल किया सरपंच पद



द अनकवर्ड अपडेट

हलैना (विष्णु मित्तल)। भरतपुर जिले की पंचायत समिति वैर क्षेत्र की ग्राम पंचायत हाथौड़ी में सरपंच पद पर लगातार दूसरी बार दमोह सिंह गुर्जर परिवार ने जीत दर्ज कर क्षेत्र में एक नया उदाहरण पेश किया है। वर्ष 2020 में देवर फतेह सिंह गुर्जर सरपंच निर्वाचित हुए थे। अब उनके बाद उनकी भाभी पिंकी गुर्जर पत्नी विजय सिंह गुर्जर ने सरपंच पद हासिल किया है। नवनिर्वाचित सरपंच पिंकी गुर्जर ने बताया कि वर्ष 2020 में ग्रामीणों ने उनके देवर फतेह सिंह गुर्जर को सरपंच चुना था। उस समय वे सबसे कम उम्र के सरपंचों में शामिल थे। उनके कार्यकाल के दौरान पति विजय सिंह गुर्जर और ससुर दमोह सिंह गुर्जर के सहयोग से पंचायत क्षेत्र में ईमानदारी और निष्ठा के साथ विकास कार्य करवाए गए। इनमें स्वच्छता, रोजगार, पेयजल, बिजली, सड़क, सुरक्षा, शिक्षा, संचार और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

उन्होंने बताया कि गांव की ऐतिहासिक बावड़ी के जीर्णोद्धार एवं निर्माण के लिए समाजसेवी सीताराम गुप्ता के प्रयासों से करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत करवाया गया। इसके साथ ही आजादी के बाद से मोबाइल नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे गांव में मोबाइल टावर स्वीकृत करवाने में समाजसेवी सीताराम गुप्ता एवं पूर्व सांसद रंजीता कोली का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टावर जल्द स्थापित होने की उम्मीद है।

पिंकी गुर्जर ने कहा कि अब सरपंच पद की जिम्मेदारी उन्हें मिली है। वे अपने देवर और पति की तरह पूरी ईमानदारी, निष्ठा और सेवाभाव से पंचायत का विकास करेंगी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं और रोजगार के क्षेत्र में काम करना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि वे सरपंच पद की गरिमा बनाए रखते हुए बिना किसी भेदभाव के ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेंगी।

0उन्होंने भावुक अंदाज में कहा कि जब उनके देवर, जो उनके लिए पुत्र समान हैं, उन्हें सरपंच पद का कार्यभार सौंपेंगे तो वह उनके लिए घर जैसा आत्मीय अनुभव होगा।

अशोक गहलोत हर शनिवार को जारी करेंगे बजट फाइल्स:बोले- भाजपा सरकार के वादों और दावों की खुलेगी पोल

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत 14 नवंबर से हर शनिवार को सरकार की बजट घोषणाओं और वादों को लेकर बजट फाइल्स जारी करेंगे। पिछली बार गहलोत ने इंतजारशास्त्र के जरिए बीजेपी सरकार को घेरा था। अब नई वीडियो सीरीज 'बजट फाइल्स' शुरू कर रहे हैं। इसमें राज्य सरकार की बजट घोषणाओं और उनकी डिलीवरी के बारे में रिपोर्ट पेश की जाएगी।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने लिखित बयान जारी कर कहा- राज्य सरकार अब तक चार बजट दस्तावेज पेश कर चुकी है। लेखानुदान 2024, संशोधित बजट 2024-25, बजट 2025-26 और बजट 2026-27। इनमें सड़कों, खेल, पेयजल, स्वास्थ्य, शहरी विकास और कर्मचारी कल्याण से जुड़ी बड़ी संख्या में घोषणाएं की गई। 'बजट फाइल्स' में हर शनिवार इनमें से एक बड़ी घोषणा को उठाएगी



और पूछेगी कि घोषणा तो हुई, लेकिन उसके क्रियान्वयन की हकीकत क्या है?

बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, जनता से किया वादा होता है

गहलोत ने कहा- बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, जनता से किया वादा होता है। 'बजट फाइल्स' का मकसद इन वादों का हिसाब जनता तक पहुंचाना और सरकार से जवाबदेही मांगना है, ताकि घोषणाएं कागजों तक सीमित न रह जाएं। बजट फाइल्स के जरिए भाजपा सरकार के वादों और दावों की पोल खुलेगी।

बजट फाइल्स से शुरू होगा सियासी वार-पलटवार का दौर

गहलोत की बजट फाइल्स से सियासी वार पलटवार का दौर शुरू होना तय माना जा रहा है। पिछली बार इंतजारशास्त्र के जरिए गहलोत ने सरकार को घेरा था, तब बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और मंत्रियों ने हर बार पलटवार किया था। सीएम भजनलाल शर्मा ने दो साल बनाम पांच साल के कामकाज पर विधानसभा में बहस की चुनौती दी थी। बहस रखी भी गई, लेकिन कांग्रेस विधायकों ने बहिष्कार कर दिया था।

जयपुर में होगी कोल्हापुर के पूर्व शाही-परिवार सदस्य की रॉयल-वेडिंग:जहीर खान के साले हैं दूल्हा, एक्ट्रेस बहन सागरिका सहित फैमिली एयरपोर्ट से पहुंची चौमूं



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर शहर एक बार फिर शाही शादी की मेजबानी करने जा रहा है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर के पास स्थित कागल के पूर्व शाही मराठा परिवार के शिवजीत घाटगे की शादी पल्लवी के साथ 16 नवंबर को चौमूं स्थित आर. चंद्रा होटल में होगी। शिवजीत घाटगे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान के साले हैं। वहीं बॉलीवुड एक्ट्रेस सागरिका घाटगे के छोटे भाई हैं।

शादी समारोह में शामिल होने के लिए दूल्हे शिवजीत घाटगे और दुल्हन पल्लवी के परिवार के सदस्य शुक्रवार को जयपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद दोनों परिवारों के सदस्य अपनी गाड़ियों से चौमूं स्थित होटल के लिए रवाना हो गए। शादी से जुड़े कार्यक्रम में पूर्व क्रिकेटर जहीर खान और उनकी पत्नी सागरिका घाटगे भी जयपुर एयरपोर्ट पर रात को पहुंचे।

छोटे उद्यमों की ऋण गारंटी योजना की संसदीय समिति ने की समीक्षा

उद्यमों को बैंक ऋण दिलाने के लिए बुलाई जाएगी विशेष बैठक –मुख्य सचिव

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उद्योग संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने राजस्थान के अध्ययन दौरे के दौरान शुक्रवार को जयपुर में सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण गारंटी योजना की समीक्षा की। राज्यसभा सांसद एवं समिति अध्यक्ष श्री तिरुची शिवा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास और राज्य सरकार के अधिकारी शामिल हुए।

श्री तिरुची शिवा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था, निर्यात और रोजगार में अहम भूमिका निभाते हैं। समिति ने बैंकों और उ?द्योग संघों के साथ चर्चा की कि ऋण गारंटी योजना का लाभ उद्यमियों तक कैसे पहुंच रहा है और ऋण लेने में उन्हें क्या दिक्कतें आती हैं। बैठक में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए इन उद्यमों से खरीद के अनिवार्य लक्ष्यों, खरीद अनुबंधों और बकाया राशि के समय पर भुगतान पर भी बात हुई। राज्य के उ?द्योग एवं वाणिज्य विभाग ने उद्यमों के विकास और ऋण गारंटी योजनाओं पर प्रस्तुति दी।

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप प्रदेश विकसित राजस्थान 2047 की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजस्थान में इन उद्यमों के विकास के लिए अभूतपूर्व काम हुआ है। प्रदेश में करीब 31 लाख पंजीकृत एमएसएमई हैं, जिनसे करीब 92 लाख लोगों का रोजगार जुड़ा है। इनमें करीब 99 प्रतिशत सूक्ष्म उद्यम हैं।

श्री श्रीनिवास ने कहा कि पहली बार कारोबार शुरु करने वाले लोगों के लिए बिना संपत्ति गिरवी रखे बैंक ऋण मिलना महत्वपूर्ण है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण गारंटी निधि न्यास (सीजीटीएमएसई) 10 करोड़ रुपये तक के पात्र ऋणों पर बैंकों को गारंटी देता है। राज्य



की योजनाओं में पात्र उद्यमियों के लिए ब्याज में छूट, कारोबार शुरू करने के लिए अपनी ओर से लगाई जाने वाली राशि में सहायता या ऋण गारंटी शुल्क की भरपाई का प्रावधान है।

मुख्य सचिव ने कहा कि समिति के निर्देशों पर राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की विशेष बैठक बुलाई जाएगी। इसमें उद्यमों को बैंक ऋण मिलने में आने वाली दिक्कतों पर चर्चा कर सुझाव तैयार किए जाएंगे। बैंकों को मिले ऋण आवेदनों और मंजूर किए गए आवेदनों के बीच अंतर की समीक्षा होगी। जिन परियोजनाओं के लिए ऋण मांगा गया है, उनके व्यावहारिक और आर्थिक पहलुओं को दोबारा परखा जाएगा। राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सुझावों को ध्यान में रखते हुए राज निवेश पोर्टल को बेहतर बनाया जाएगा, ताकि निवेश आवेदनों पर समुचित कार्रवाई हो सके। श्री श्रीनिवास ने बताया कि पिछले 12 महीनों में उन्होंने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की सभी बैठकों में भाग लिया। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की योजनाओं पर अलग से भी बैठकें हुई। उन्होंने कहा कि एमएसएमई योजनाओं पर केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालय से आगे भी चर्चा होगी। उन्होंने मुद्रा योजना के तर्ज पर हर तीन महीने में राज्यों में इन योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने का सुझाव दिया। बैठक में समिति के सदस्य, रेल मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग और राजस्थान सरकार के अधिकारी तथा बैंकों और उदयोग संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जयपुर में दो दिन में सोना 6-हजार से ज्यादा टूटा:चांदी 1.83 लाख रुपए किलो पर पहुंची; आगे भी गिर सकते भाव



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी उठापटक का असर अब सोने-चांदी की कीमतों पर साफ नजर आने लगा है। डॉलर की लगातार बढ़ती मजबूती के बीच कीमती धातुओं में गिरावट का दौर शुरू हो गया है।

पिछले दो दिनों में जयपुर में स्टैंडर्ड सोने की कीमत में 6,400 रुपए प्रति 10 ग्राम की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। वहीं,चांदी भी 9,000 रुपए प्रति किलो सस्ती होकर 1 लाख 83 हजार रुपए के स्तर पर आ गई है।

कीमतों में आई इस गिरावट से सोना-चांदी खरीदने की तैयारी कर रहे ग्राहकों को राहत मिली है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार के मौजूदा हालात को देखते हुए आने वाले दिनों में भी सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट जारी रह सकती है।

डॉलर की मजबूती से सोने-चांदी पर दबाव

जयपुर सर्राफा एसोसिएशन के राकेश खंडेलवाल ने बताया कि जियो पॉलिटिकल टेंशन और अमेरिकी राजनीति में हुए बदलावों के बीच डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है।

इसके साथ ही अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों में बदलाव का असर भी कीमती धातुओं पर पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती से सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बना है। इसका असर घरेलू बाजार में भी दिखाई दे रहा है।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों में बदलाव के चलते सोने-चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। अगले कुछ दिनों तक कीमतों में बदलाव का यह दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में सोने और चांदी के भाव में और गिरावट देखने को मिल सकती है।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।